सहस्त्र ताल ट्रैकिंग दुर्घटना

दिनांक 03.06.2024

संक्षिप्त रिर्पोट

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तरकाशी।

दूरभाष संख्या –	01374–222722, 222126
टोल फ्री –	1077
मो0–	7500337269, 7252887587, 7310913129 (WhatsApp)
ईमेल –	ddmauttarkashi@gmail.com
वैबसाईट –	www.ddmauttarkashi.in

सहस्त्र ताल ट्रैक

सहस्त्र ताल ट्रैक जनपद उत्तरकाशी के भटवाड़ी तहसील में स्थित एक सुंदर और प्रसिद्ध ट्रैकिंग मार्ग है। सहस्त्र ताल ट्रैक अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता, साफ झीलों और भव्य पर्वत दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह मार्ग ओक, पाइन और रोडोडेंड्रोन के घने जंगलों से गुजरता है, साथ ही इस मार्ग पर अल्पाइन घास के मैदान और विविध वन्यजीव भी देखने को मिलते हैं।

सहस्त्र ताल ट्रेक के बारे में कुछ महत्वपूर्ण विवरण :

स्थानः गढ़वाल हिमालय, उत्तराखंड, भारत

ऊंचाईः लगभग 4,900 मीटर (16,076 फीट)

अवधिः सामान्यतः 8–10 दिन

कठिनाई स्तरः मध्यम से चुनौतीपूर्ण

घूमने का सर्वोत्तम समयः मई से जून और सितंबर से अक्टूबर

ट्रैक हेतु आदर्श कार्यक्रम

दिन 1: देहरादून से उत्तरकाशी

दिन 2: उत्तरकाशी से मल्ला गाँव (ड्राइव) और गैरी तक ट्रैक

दिन 3: गैरी से कुशकल्याण तक ट्रैक

दिन 4: कुशकल्याण से क्यारकी पास तक ट्रैक

दिन 5: क्यारकी पास से लंब ताल तक ट्रैक (सहस्त्र ताल के माध्यम से)

दिन 6: लंब ताल से सहस्त्र ताल तथा वापस लंब ताल तक ट्रैक

दिन 7: लंब ताल से कुशकल्याणी तक ट्रैक

दिन 8: कुशकल्याण से सिल्ला रोड़ हैड तक ट्रैक एंव कार द्वारा अपने गंतव्य तक वाहन द्वारा

दिन 9: अतिरिक्त दिवस

ट्रैक रूट पर जाने से पूर्व तैयारी

शारीरिक फिटनेसः ऊंचाई और चुनौतीपूर्ण इलाके के कारण, अच्छी शारीरिक फिटनेस आवश्यक है।

अनुकूलनः ऊंचाई की बीमारी से बचने के लिए उचित अनुकूलन महत्वपूर्ण है। उच्च ऊंचाई पर एक या दो दिन अनुकूलन में बिताना उचित है।

सामानः आवश्यक ट्रैकिंग सामान में मजबूत ट्रैकिंग जूते, गर्म कपड़े, बारिश का सामान, स्लीपिंग बैग और एक अच्छी गुणवत्ता वाला बैकपैक शामिल है।

अनुमतिः ट्रैक के लिए आवश्यक अनुमति पर्यटन विभाग कि वैबसाईट www.swsuttarkashi.com से लि जा सकती है।

गाइड और पोर्टरः सुरक्षा और नेविगेशन के लिए अनुभवी गाइड और पोर्टर लिया जाना आवश्यक है।

ट्रैकिंग दल का विवरण।

ट्रैंकिग ऐजेन्सि का नाम – हिमालयन व्यू ट्रैकिंग ऐंजेन्सी, मनेरी, उत्तरकाशी।

ट्रैंकिग दल अनुमति समय – दिनांक 29.05.2024 से 07.06.2024 तक।

ट्रैंकिग दल के सदस्यों कि संख्या – 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल (कर्नाटक–21, महाराष्ट्र–01)

घटना कि दिनांक – 03 जून 2024

घटना का स्थान – 30^0 43'16" N, 78^0 45'16"

सूचना प्राप्ति का समय – दिनांक 04.06.2024 को सांय लगभग 04:00 बजे, आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी।

घटना में कुल मृतक – 09 सदस्य

कुल रेस्क्यू किये गये टैकर्स – 13 सदस्य

टैकिंग दल में सम्मिलित सदस्यों का विवरण।

क्र0सं0	नाम	उम्र	राज्य
01	Jayaprakash	61	Karnataka
02	Bharat Bommanagoudar	53	Karnataka
03	Anil Bhatta	52	Karnataka
04	Madhu Kiran Readdy	52	Karnataka
05	Sheena Lakshmi	48	Karnataka
06	Soumya Kanale	35	Karnataka
07	Smruti Prakash Dolas	41	Maharastra
08	Vinayak M.K	47	Karnataka
09	Sriramulu Sudhakar	65	Karnataka
10	S Shiva Jyothi	45	Karnataka
11	Sindhu Vakekalam	45	Karnataka

क्र0सं0	नाम	उम्र	राज्य
12	Asha Sudhakar	71	Karnataka
13	Sujatha Mungurwadi	52	Karnataka
14	Vinayak Mungurwadi	54	Karnataka
15	Chitra Praneeth	48	Karnataka
16	Vivek Sridhar	39	Karnataka
17	Naveen A	40	Karnataka
18	Rittika Gindal	37	Karnataka
19	Venkatesh Prasad	52	Karnataka
20	Padmanadha Kundapur Krishnamurthy	49	Karnataka
21	Anita Rangappa	61	Karnataka
22	Padmini Hegde	34	Karnataka

घटना का विवरण

दिनांक 04.06.2024 को सांय समय लगभग 04:00 बजे अध्यक्ष, ट्रैंकिग ऐंजेन्सी उत्तकाशी एंव गाईड श्री राजेश ठाकुर (मो0–8755278296) द्वारा अवगत कराया गया कि हिमालयन व्यू ट्रैकिंग ऐंजेन्सी मनेरी के सिंल्ला–कुशकल्याण–सहस्त्र ताल ट्रैंक पर एक 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल (कर्नाटक–21 सदस्य, महाराष्ट्र–01) दिनांक 29.05.2024 से 07.06.2024 तक गया था। दिनांक 03.06.2024 को लास्ट कैम्प से सहस्त्र ताल समिट (ऊंचाई 4232 मीटर) करते समय मौसम खराब होने से रास्ता भटकने के कारण 04 लोगों की मृत्यु होने की सूचना तथा अन्य 13 सदस्यों का शीघ्र रेस्क्यू किये जाने का अनुरोध किया गया।

सहस्त्र ताल ट्रैक

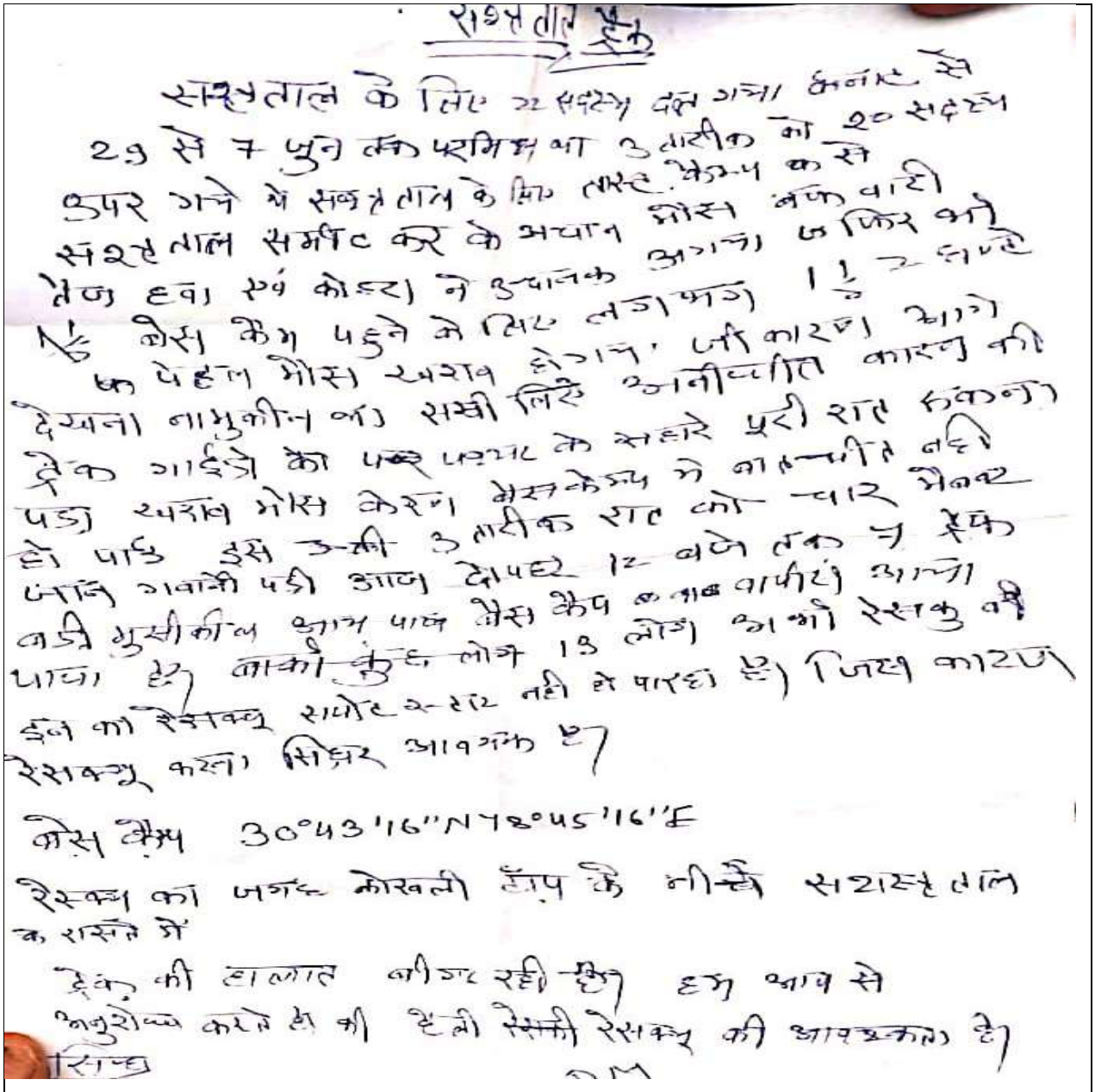

सहस्त्रताल के लिए 22 सदस्य दल गया। कर्नाटक से
29 से 7 जून तक परमिशन था 3 तारीक को 20 सदस्य
ऊपर गये थे सहस्त्र ताल के लिए लास्ट कैम्प का से
सहस्त्र ताल समिट कर के अचानक मौसम बर्फबारी
[illegible] आगया फिर को
तेज हवा एवं कोहरा ने अचानक [illegible] लगा था 1½ – 2 घण्टे
बेस कैम्प पहुंचने के लिए लगा था, जो कारण आगे
के पहल मौसम खराब हो गया, अनियंत्रित कारण की
देखना नामुमकिन था सभी लिए [illegible] पूरी रात रुकना
ट्रैक गाईडो को [illegible] के सहारे [illegible] नहीं
पड़ा खराब मौसम के कारण बेसकैम्प से [illegible] रात को चार मौत
हो पाई इस [illegible] 3 तारीक [illegible] 12 बजे तक [illegible]
[illegible] पड़ी आज दोपहर 12 [illegible] वापिस आये
बड़ी मुश्किल [illegible] बेस कैम्प [illegible] 13 लोगों का रेस्क्यु [illegible]
पाया है बाकी कुछ लोग 13 [illegible] नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण
इन को रेस्क्यू सपोर्ट [illegible] नही हो पा रहा है।
रेसक्यू करना शिघ्र आवश्यक है।

बेस कैम्प 30°43'16"N 78°45'16"E

रेस्क्यु का जगह कोखली टॉप के नीचे सहस्त्र ताल
के रास्ते में

ट्रैक की हालात बिगड़ रही है। हम आप से
अनुरोध करते है की हैली [illegible] रेसक्यू की आवश्यकता है।
[illegible]

प्रथम सूचना उपलब्ध कराये जाने संबन्धी पत्र

जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी द्वारा किये कि गयी कार्यवाही का विवरण–

दिनांक 04.06.2024 को सूचना प्राप्ति के बाद कि गयी कार्यवाही–

- आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा तत्काल सक्रिय हो कर उच्चाधिकारियों एवं शासन को सूचना से अवगत कराते हुये अध्यक्ष, ट्रैकिंग एसोसियेशन एवं सचिव आदि से समन्वय कर ट्रैक रूट, दल एंव अनुमति आदि जानकारी प्राप्त की गयी।

- पोर्टल से पर्यटकों के पंजिकरण सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की गयी।
- श्री राजेश ट्रैक लीडर से समन्वय कर ट्रैक रूट सम्बन्धि जानकारी प्राप्त कि गयी, ट्रैक लीडर द्वारा अवगत कराया गया कि सहस्त्र ताल से उत्तरकाशी की तरफ 3.5 किमी0 कुठलीटॉप मे 13 ट्रेकर्स थे। जिसमे से 04 ट्रेकर्स की मृत्यु एंव 09 ट्रैकर्स का स्वास्थय खराब है तथा 07 ट्रैकर्स धर्मशाला बैस कैम्प मे 02 ट्रैकर्स धर्मशाला से (16–17 किमी0) कुशकल्याण मे सुरक्षित है।
- जिलाधिकारी महोदय द्वारा ट्रैकरों की रेस्क्यू हेतु नियमित मॉनिटिरिंग की गयी पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी. उत्तरकाशी, अपर जिलाधिकारी एंव आपदा प्रबन्धन अधिकारी द्वारा कन्ट्रोल रुम मे उपस्थित रहते हुये राहत–बचाव कार्य सम्पादित किया गया।
- दल के आवश्यक सहयोग हेतु ग्राम प्रधान सिल्ला एंव बकरी वाले एंव स्थानीय लोगों से दल के आवश्यक सहयोग हेतु अवगत कराया गया जिनसे लगातार दूरभाष पर समन्वय किया गया। दिनांक 04.06.2024 को लाटा भटवाडी से वन विभाग की टीम घटना स्थल के लिए रवाना हुयी उक्त टीम रात्रि विश्राम हेतु ग्राम सिल्ला मे रुके।
- समय सायः 06.00 बजे आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा कर्नाटका राज्य आपदा प्रबन्धन को जानकारी दी गयी।
- जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा तत्काल सचिव आपदा प्रबन्धन, उत्तराखंड़ को वायु सेना, यूकाडा एवं एस0डी0आर0एफ0 जौलीग्राण्ट से हाई अल्टीट्यूट रेस्क्यू टीम एवं हैलीकॉप्टर की तैनाती हेतु अनुरोध किया गया।
- सचिव आपदा प्रबन्धन द्वारा जनपद स्तर से ही वायुसेना के हैलीकाप्टर का अधिग्रहण आदेश जारी किये जाने हेतु र्निदेश दिये गये। इसी क्रम में रात्रि 10.40 बजे वायुसेना से हैलीकॉप्टर से रेस्क्यू हेतु जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से समस्त सुचनाओं के साथ निर्धारित प्रारूप पर अनुरोध पत्र भेजा गया।
- रातः लगभग 11.00 बजे आई0एम0एफ0 नई दिल्ली से वार्ता कर रेस्क्यू में शामिल होने वाले वायु सेना तथा उत्तराखंड सिविल हैलीकाप्टरों के बिलों के भुगतान हेतु अवगत कराया गया।

प्रेषक,

जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

सेवा में,

कमाण्डेंट,
एस0डी0आर0एफ0,
जौलीग्राण्ट, देहरादून।

पत्रांक– /तेरह–आ0प्र0–विविध/2023–24 दिनांक 4 जून, 2024

विषयः– 519 रेस्क्यू दल की तैनाती के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्यक्त विषयक कृपया अध्यक्ष, ट्रैकिंग ऐजेन्सी, उत्तरकाशी एवं गाईड श्री राजेश ठाकुर (मो0–8755278296) द्वारा आज सांय को अवगत कराया गया है कि हिमालयन व्यू ट्रैकिंग ऐजेंसी, मनेरी के सिल्ला–कुशकल्याण–सहस्त्रताल ट्रैक पर एक 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल (कनार्टक–18 सदस्य, महाराष्ट्र–01 सदस्य स्थानीय–03 गाईड/सदस्य) दिनांक 29.05.2024 से 07.06.2024 तक गया हैं। दिनांक 03.06.2024 को लास्ट कैम्प से सहस्त्रताल समित करते समय मौसम खराब होने से रास्ता भटकने के कारण 04 लोगों की मृत्यु होने की सूचना तथा अन्य 13 सदस्यों का शीघ्र रेस्क्यू किये जाने का अनुरोध किया गया है।

अवगत कराना है कि उक्त सहस्त्रताल लगभग 4100–4400 मीटर की ऊचॉई पर स्थित है तथा घटना स्थल जनपद उत्तरकाशी एवं टिहरी सीमा क्षेत्र में स्थित है। दल के शीघ्र रेस्क्यू किये जाने हेतु दोनों तरफ उत्तरकाशी एवं घनसाली टिहरी से उच्च हिमालय रेस्क्यू टीम भेजते हुये तत्काल रेस्क्यू किया जाना आवश्यक है।

अतः अनुरोध है कि उक्त ट्रैकिंग दल के रेस्क्यू हेतु उच्च हिमालय रेस्क्यू दल को शीघ्र भेजते हुये रेस्क्यू करवाये जाने का कष्ट करें।

बैस केम्प के कॉर्डिनेट– N- 30° 43' 16", E- 78° 45' 16"

आवश्यक समन्वय सदस्य

1 श्री जयेन्द्र सिह राणा, अध्यक्ष, ट्रैकिंग ऐजेंसी, उत्तरकाशी– मो0–9411370570

2 श्री मनोज रावत, सचिव, ट्रैकिंग ऐजेंसी, उत्तरकाशी– मो0–9897100781

भवदीय,

जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

प्रतिलिपिः– निम्नांकितों की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

1. सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2. आयुक्त महोदय, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
4. पुलिस अधीक्षक, उत्तरकाशी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. प्रभागीय वनाधिकारी, उत्तरकाशी को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि दल के रेस्क्यू हेतु आवश्यक सहयोग किये जाने के लिये वन विभाग की टीम तैनात करने का कष्ट करें।
6. निरीक्षक, एस0डी0आर0एफ0, उत्तरकाशी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
7. श्री जयेन्द्र सिह राणा/श्री मनोज रावत, ट्रैकिंग ऐजेंसी, उत्तरकाशी को इस आशय से प्रेषित कि रेस्क्यू कार्य में तैनात दलों से आवश्यक समन्वय/कार्यवाही हेतु प्रेषित।

जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

जिलाधिकारी उत्तरकाशी द्वारा एस0डी0आर0एफ0, देहरादून को रेस्क्यू अभियान हेतु तैनात किये जाने संबन्धी पत्र।

District Disaster Management Authority,
Uttarkashi

District Disaster Management Authority,
Uttarkashi, Uttarakhand-249193

01374-222280 (Landline -office)
Phone: +91 - 1374 - 222722, 222126, 1077 (Toll free), DEOC, UKI
Mobile.: +917500337269, 7252887587, 7310913129 (Off)
FAX: +91 - 1374 - 222722 (Off)
Mail Id: ddmauttarkashi@gmail.com

Letter No - 520/DDMA/2024 **Date 04, June, 2024**

REQUISITION FORMAT

To,

Joint Secretary Air,
Department of Military Affairs, New Delhi
Government of India
Email- tandh@nic.in
Telephone-**011-20863703, Fax no- 011-20863758**

Details of Incident: Regarding the rescue and air evacuation of 13 trekkers from State of Karnataka and 04 dead body of trekkers that went to Silla-Kushkalyan-Sahastratal trekking from Malla road head Uttakrashi. In which 04 people are reported dead as per trekking agency Uttarkashi and 13 other members have to be rescued ASAP.

Description of Incident/s		Time of incident
Evacuation of Trekkers from Sahastra Tal		03-06-2024
Place of Incident	**Tehsil/s**	**District/s**
Sahastra Tal	Bhatwari	Uttarkashi

Type of Support Required:

Reconnaissance	Evacuation
N	Y
Foreigners	**Transport of dead bodies**
N	Y
Transportation & Supplies	
N	

Details of Coordinates of Helipad:

Coordinates of Incident site Sahasatra Tal Base Camp		Coordinates of Nearest Helipad Mori	
	Latitude- N- 30° 43' 16"		-
	Longitude- E- 78° 45' 16"		-
Dimension of Helipad/air field		**Altitude/ Elevation**	
		4100 To 4400 Mtrs	
Refueling arrangements			
Y			
Details of another Helipad Coordinate:			
ITBP Campus Matali		Latitude- 30° 44' 21"	
		Longitude- 78° 22' 2.5"	

District Contact Details:

District Magistrate	
Name: Shri Meharban Singh Bisht	Mobile Number: 9412077500
Telephone Number: 01374-222280	Fax Number: 01374-222119
Satellite Phone Number: 8991119839	Wireless availability: Pol.net/ Forest

Sr. Superintendent / Superintendent of police	
Name: Shri Arpan Yudhvanshi	Mobile Number: 9411112733
Telephone Number: 01374-222116	Fax Number:
Satellite Phone Number:	Wireless availability: Pol.net/ Forest

- **Local Contact of the Affected Area:**

SDM Bhatwari	
Name: Shri Vrijesh Tiwari	Mobile Number: 9536750957
Telephone Number:	Fax Number:
Satellite Phone Number:	Wireless availability: Pol.net/ Forest

- **State contact details for coordination:**

Secretary, Department of Disaster Management	
Name: Dr. Ranjit Kumar Sinha, IAS	Mobile Number: 8395889311
Telephone Number: 0135- 2659850	Fax Number:
Satellite Phone Number:	Wireless availability: Pol.net/ Forest

Contact Person - Col. Sukhbir Phogat, IMF, 9874462067
9458328820 (Rajesh, Trek Leader) At Site
9897100781, 9411370570 (Trekking Association, Uttarkashi)
9456147974 (DDMO Uttarkashi)

(All the expenses will be paid by Govt of Karnataka)

(Meharban Singh Bisht, IAS)
Chairperson, DDMA/
District Magistrate, Uttarkashi

Copy forwarded for information:

1- **MOD** New Delhi, 011-23012380, Email-defsecy@nic.in
2- **MHA**, Control room, New Delhi-011-23093054, Email-iocdm.mha@nic.in
3- **NDMA**, Control room, New Delhi, Phone: 011-26701728 Email-ndmacontrolroom@gmail.com
4- **NERC** Control Room, Phone: 011-23438252, Email- dresponse-nerc@gov.in
5- **Air Force**, Vayu Bhawan, New Delhi Email: tandh@nic.in Phone: 011-23014424(T), 011-23017627(F
6- **DIG ITBP**, Seemadwar, Indra Nagar, Dehradun, UttarakhandEmail: itcellddn@itbp.gov.in , 0135-2760406 (F).
7- **DIG S.S.B**, FTR Ranikhet, Almora, Uttarakhand, -Email- control-ftrrkt-ssb@nic.in Control Ro 05966-222205(F), 9412081813 (M).
8. **Commandant 12th Bn ITBP**, Matali Uttarkashi
9. **Commandant 15th BN NDRF**, Shahkari Chini Mill Gadarpur, Uttarakhand. Email-co15.ndrf@gov.in, 05949-231199 (T), 9990936318 (M)
10. **Secretary, State Disaster Management Authority, Uttarakhand Email- disastersection@gmail.**

Chairperson, DDMA/
District Magistrate, Uttarkashi

वायुसेना को रेस्क्यू अभियान में प्रतिभाग किये जाने हेतु अनुरोध **(Requisition Letter)** पत्र।

KEERTHI PAIS
SECRETARY

INDIAN MOUNTAINEERING FOUNDATION

APEX BODY FOR MOUNTAINEERING, TREKKING,
SPORT CLIMBING & ALLIED ADVENTURE ACTIVITIES
(GUARDIAN OF THE HIMALAYAS)

Date:- 04/06/2024

To,
Deputy Commissioner,
Uttarkashi,
Uttarakhand

Subject:- Heli Evacuation & Rescue of 13 Standard trekkers in Uttarkashi district

Sir,

1. The IMF has received a distress call from the Karnataka Mountaineering Association, Bengaluru regarding a trek comprising of 22 members to Shahstra Taal in Uttarakashi district of Uttarakhand.
2. We are a informed that 13 members of the team are standard of which 4 are already dead and are still stuck below Kokhli Top, on the route from basecamp to Sahastra taal.
3. The distress message has come with a location (Base camp location - 30°43'16" N 78°45'16" E) which has been communicated on 04/06/2024 at 7:30 PM by Rajesh of Himalayan View agency from this number +91 8755278296. He is also carrying this number +91 9458328820.
4. The other part of the message sent by him is attached in Annexure 2 & 3
5. I have personally spoken to the Chief Secretary, Government of Karnataka & have briefed him on the present situation.
6. The Chief Secretary GOK is already in touch with Principal Secretary Disaster Management, Government of Uttarakhand.
7. A heli rescue from the Airforce is required to save the nine lives. It is requested that the rescue be mobilised in the early hours of 05-06-2024.
8. The Chief Secretary, Government of Karnataka has given me the liberty to commit on his behalf for any expenditure incurred for heli evacuation.
9. The IMF is in communication with the Principal Nehru Institute of mountaineering, Uttarkashi and the 12th Battalion ITBP. As they have mountaineers readily available for rescue.
10. Please feel free to contact me through NIM or directly on my number: 9886009488.
11. Looking forward to a timely action as we are working against time.

Copy to:-
1. Chief Secretary, Govt of Karnataka
2. Principal, NIM Uttarkashi

6, Benito Juarez Marg, South Campus, South Moti Bagh, New Delhi, Delhi-110 021.
(+91 11) 2411 1211/ 2411 1572 keerthipais@yahoo.com / secretary@indmount.org indmount.org

IMF नई दिल्ली द्वारा सभी संबन्धितों को खोज–बचाव अभियान हेतु अनुरोध पत्र

दिनांक 05.06.2024 को खोज एंव बचाव कार्य का विवरण–

- जिलाधिकारी महोदय, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरकाशी द्वारा ट्रैकरों की रेस्क्यू हेतु नियमित मॉनिटिरिंग की गयी तथा मुख्य विकास अधिकारी, उत्तरकाशी, आपदा प्रबन्धन अधिकारी द्वारा कन्ट्रोल रुम मे उपस्थित रहते हुये राहत–बचाव कार्यो सम्पादित किया गया।
- प्रातः 7:00 बजे वन विभाग के 10 सदस्य, 02 राजस्व उपनिरिक्षक व 02 होमगार्ड साहति ग्राम सिल्ला के कुछ स्थानीय लोग घटना स्थल के लिए रवाना किये गये।
- प्रातः उत्तरकाशी से एस0डी0आर0एफ0–06 जवान, को पिनस्वाड ग्राम से घटना स्थल पर पहुॅचने हेतु रवाना किया गया (बुढ़ाकेदार–पिनस्वाड ग्राम टिहरी से घटना स्थल पर ट्रैकिंग मार्ग लगभग 07 किमी0 कम है)
- घनसाली से वन विभाग के 03 एंव 01 स्थानीय निवासी घटना स्थल हेतु रवाना हुये।
- जौलीग्राण्ड से एस0डी0आर0एफ0 उच्च हिमालयन रेस्क्यू टीम प्रातः 8:25 प्राईवेट हैलीकॉप्टर के माध्यम से क्षेत्र के सर्वेक्षण एंव राहत बचाव कार्यो हेतु रवाना की गयी।
- नेहरु पर्वातारोहण संस्थान के कुल 05 पर्वतारोही दल रवाना किया गया।
- वायुसेना के 02 चीता व 01 एम0आई 17 हेलीकॉप्टर द्वारा मातली एंव हर्षिल से रेस्क्यू कार्य प्रारम्भ किया गया।
- आई0टी0बी0पी0 मातली से एक अधिकारी के नेतृत्व में 01 चिकित्सक एंव 14 जवानो का दल घटना स्थल हेतु रवाना किया गया।
- प्रा0स्वा0केन्द्र भटवाड़ी को सक्रिय रखा गया तथा चिकित्सक दल सिल्ला रोड़ हैड एवं हैलीपैड नटीण बेस में तैनात किया गया।
- सेना हर्षिल से समन्वय किया गया आर्मी/सिविल हैलीपेड हर्षिल एंव जोशियाडा हैलीपैड को भी एक्टिव कर नोडल अधिकारी, अग्निशमन टीम की तैनाती की गयी।
- त्वरित कार्यवाही दल एन0डी0आर0एफ0 की तैनाती मातली हैलीपैड पर की गयी।
- वायुसेना के 02 चीता हैलीकॉप्टर मातली में प्रातः पहुॅचे तथा 2 मिनट के बाद खोज एंव बचाव हेतु घटना स्थल हेतु रवाना हुए।
- राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये हैली द्वारा सहस्त्र ताल खोज–बचाव अभियान हेतु सहस्त्रधारा हैलीपैड देहरादून से दो हैली के माध्यम सें एस0डी0आर0एफ0 कि दो टीमों को घटना स्थल हेतु रवाना किया गया।
- वायुसेना के 01 एम0आई0 हैलीकॉप्टर को मातली में तैनात किया गया।
- दिनांक 05.06.2024 को 02 ट्रैकर को वन विभाग एंव आई0टी0बी0पी0 मातली के द्वारा पैदल मार्ग से रेस्क्यू किया गया।
- शाम को मौसम खराब होने से पूर्व 13 ट्रैकर्स को एयर रेस्क्यू कर सुरक्षित एंव 05 ट्रैकर्स के शवों को निकाला गया।
- मौसम खराब होने के दिन में 01.30 पर एयर रेस्क्यू रोका गया। ग्राउण्ड रेस्क्यू गतिमान रहा।

भारतीय वायुसेना के चीता हैली द्वारा सहस्त्र ताल खोज–बचाव अभियान में किये गये कार्य का विवरण–

Cheeta Heli Operation of Sahastrataal Rescue								
S.L.	**Date**	**Time**	**Type Off Aircraft**	**Nos**	**Shortie**	**From**	**To**	**Use**
1	05/06/2024	9.45 AM	Cheeta Hali	2	2	Sarsawa Aiebase	Matli Helipad	04 Air Crew and 02 Grpond Crew Dropped at Matli helipad
2	05/06/2024	9.46.AM	Cheeta Hali	2	2	Matli	Sahastrataal	Take off for Sahastrataal S&R
3	05/06/2024	9.30 AM	Cheeta Hali	2	2	Sahastrataal	Nateen	Rescued 02 trekkers to Nateen Helipad
4	05/06/2024		Cheeta Hali			Nateen	Sahastrataal	For Sahastra Tal S&R Operation
5	05/06/2024	09.55 AM	Cheeta Hali	2	2	Sahastrataal	Nateen	Rescued 02 trekkers to Nateen Helipad
6	05/06/2024		Cheeta Hali	2	2	Nateen	Sahastrataal	For Sahastra Tal S&R Operation
7	05/06/2024	11.35 AM	Cheeta Hali	2	2	Sahastrataal	Nateen	Brought 04 Deadbodies to Nateen helipad
8	05/06/2024		Cheeta Hali	2	2	Nateen	Sahastrataal	For Sahastra Tal S&R Operation
9	05/06/2024	01.00 PM	Cheeta Hali	2	2	Sahastrataal	Nateen	Carried 02 airman to Nateen helipad
10	05/06/2024		Cheeta Hali	2	2	Nateen	Sahastrataal	For Sahastra Tal S&R Operation
11	05/06/2024	01.25 PM	Cheeta Hali	2	2	Sahastrataal	Nateen	Carried 01 Deadbody 01 Trekkers to Nateen Helipad
12	05/06/2024	01.27 PM	Cheeta Hali	2	2	Nateen	Harshil Helipad	Night Stay
13	06/06/2024	06.55AM	Cheeta Hali	2	2	Harshil Helipad	Sahastrataal	Take off for Sahastrataal S&R
14	06/06/2024	07.35AM	Cheeta Hali	2	2	Sahastrataal	Nateen	Carried 02 Dead body (01 Nos in each Cheetah heli)
15	06/06/2024		Cheeta Hali	2	2	Nateen	Sahastrataal	For Sahastra Tal S&R Operation
16	06/06/2024	07.55AM	Cheeta Hali	2	2	Sahastrataal	Nateen	Carried 02 Deadbody (01 Nos in each Cheetah heli)
17	06/06/2024		Cheeta Hali	2	2	Nateen	Sahastrataal	For Sahastra Tal S&R Operation
18	06/06/2024	8.27 AM	Cheeta Hali	2	2	Sahastrataal	Nateen	Carried 03 SDRF Person from Kushkalyan to Sahastrataal
19	06/06/2024	8.27 AM	Cheeta Hali	2	2	Nateen	Harshil Helipad	For refuelling

राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये हैली द्वारा सहस्त्र ताल खोज–बचाव अभियान में किये गये कार्य का विवरण–

Private Heli Operation of Sahastratal Rescue								
S.L.	**Date**	**Time**	**Type Off Aircraft**	**Nos**	**Shortie**	**From**	**To**	**Use**
1	05/06/2024	10:10	Himalayan Heli Service	1	1	Sahastradhara	incident site-Nateen	03 SDRF personnel done reccy at Sahastertaal
2	05/06/2024		Himalayan Heli Service	1	1	Nateen	Sahastrtaal-Nateen	Dropped 03 SDRF S&R Team
3	05/06/2024		Himalayan Heli Service	1	1	Nateen	Sahastradhara	04 trekkers sent to Sahastradhara
4	05/06/2024		Global Vectra Heli Corp. Ltd.	1	1	Sahastradhara	Kush Kalyan	Droped 04 SDRF personnal at Incidence site
5	05/06/2024	11:20	Global Vectra Heli Corp. Ltd.	1	1	Kush Kalyan	Sahastradhara	Carried 04 trekkers to Sahastradhara
6	06/06/2024	11:00	Thambi Aviation Pvt. Ltd	1	1	Sahastradhara	Kush Kalyan	
7	06/06/2024	11:20	Thambi Aviation Pvt. Ltd	1	1	Kush Kalyan	Sahastratdhara	Carried SDRF Person from Sahastra taal to Nateen

भारतीय वायुसेना के एम0आई0 हैली द्वारा सहस्त्र ताल खोज–बचाव अभियान में किये गये कार्य का विवरण–

MI 17 Heli Operation for Sahastratal 05-06-2024 to 06-06-2024								
S.L.	**Date**	**Time**	**Type Off Aircraft**	**Nos**	**Shortie**	**From**	**To**	**Use**
1	05/06/2024	10.30 AM	MI17 (Air Force)	1	1	Sarsawa Air base	Matli Helipad	For Sahastra Tal S&R Operation
2	06/06/2024	07.45 AM	MI17 (Air Force)	1	1	Matli	Harsil (Army Helipad)	
3	06/06/2024	11.45 AM	MI17 (Air Force)	1	1	Harsil (Army Helipad)	Matli	
4	06/06/2024	02.10 PM	MI17 (Air Force)	1	1	Matli	Jollygrandnt Airport D.Dun	Carried 09 Dead body and 05 Trekkers

दिनांक 06.06.2024 को खोज एंव बचाव कार्य का विवरण–

- प्रातः 06.55 पर वायुसेना के 02 चीता हैलीकॉप्टर द्वारा हर्षिल हैलीपैड से रेस्क्यू टीम के साथ उड़ान भरकार घटना स्थल हेतु रवान हुये।
- प्रातः 07.35 पर 02 चीता हैली द्वारा 02 शव नटीन हैलीपैड पर पहुंचाये गये एंव पुनः घटना स्थल हेतु रवाना हुए।
- प्रातः 07.55 पर 02 चीता हैलीकॉप्टर द्वारा 02 शव एंव एस0डी0आर0एफ0 टीम को नटीन हैलीपैड पंहुचाया गया।
- सभी शवों का पंचनामा भरकर जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया।
- सभी शवों का पोस्टमार्टम कर मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत किये गये तथा शवों को परिजनों/ट्रैकर्स को सौंपा गया।
- सभी शवों एंव रेस्क्यू किये गये ट्रैकर्स को समयः दोपहर 02.10 पर मातली हैलीपैड से वायुसेना के एम0आई0–17 के माध्यम से जौलीग्रन्ट एयरपोर्ट भेजा गया।
- सभी ट्रैकर्स के शवों को संलेपन (Embalming) कर काफिन में रखे जाने हेतु हिमालयन हॉस्पिटल, जौलीग्राण्ट, भेजा गया। उक्त हेतु जिला प्रशासन देहरादून एंव हिमालयन हॉस्पिटल, जौलीग्राण्ट से समन्वय कर समस्त रिपोर्ट/प्रमाण पत्र उपलब्ध कराये गये।
- उक्त शवों को अन्तिम संस्कार हेतु उनके गृह नगर/निवास स्थान ले जाने हेतु हिमालय चिकित्सायल से समन्वय कर देहरादून प्रशासन के सहयोग विमान से गृह जनपद भेजा गया।

सहस्त्र ताल से रेस्क्यू किये गये ट्रैकर्स का विवरण–

क्र सं.	ट्रेकर्स का नाम	उम्र	पता
1	Jayaprakash	61	2291 2nd Cross ,3rd Main Opp Total Mall HAL 3rd Stage Banglore North, North Banglore, Karnataka, 560017, India
2	Bharat Bommanagoudar	53	
3	Anil Bhatta	52	
4	Madhu Kiran Readdy	52	
5	Sheena Lakshmi	48	931 Himadri 22nd Cross Mcechs Layout Near to Max Dry cleaners, Phase 1,VTC Banglore north,, Bengaluru, Karnataka, 560077, India
6	Soumya Kanale	35	
7	Vinayak M.K	47	
8	Smruti Prakash Dolas	41	Pune, Maharashtra
9	Sriramulu Sudhakar	65	931 Himadri 22nd Cross Mcechs Layout Near to Max Dry cleaners, Phase 1,VTC Banglore north,, Bengaluru, Karnataka, 560077, India
10	S Shiva Jyothi	45	2291 2nd Cross ,3rd Main Opp Total Mall HAL 3rd Stage Banglore North, North Banglore, Karnataka, 560017, India
11	Vivek Sridhar	39	931 Himadri 22nd Cross Mcechs Layout Near to Max Dry cleaners, Phase 1,VTC Banglore north,, Bengaluru, Karnataka, 560077, India
12	Naveen A	40	931 Ground Floor, 22nd Cross, VTC ;Banglore North,, Banglore north, Karnataka, 56007, India
13	Rittika Gindal	37	931 Ground Floor, 22nd Cross, VTC ;Banglore North,, Banglore north, Karnataka, 56007, India

सहस्त्र ताल दुर्धटना में मृतक ट्रैकर्स का विवरण–

क्र सं.	ट्रेकर्स का नाम	उम्र	पता
01	Sindhu Vakekalam	45	931 Ground Floor, 22nd Cross, VTC ;Banglore North,, Banglore north, Karnataka, 56007, India
02	Asha Sudhakar	71	931 Ground Floor, 22nd Cross, VTC ;Banglore North,, Banglore north, Karnataka, 56007, India
03	Sujatha Mungurwadi	51	931 Himadri 22nd Cross Mcechs Layout Near to Max Dry cleaners, Phase 1,VTC Banglore north,, Bengaluru, Karnataka, 560077, India
04	Vinayak Mungurwadi	52	931 Himadri 22nd Cross Mcechs Layout Near to Max Dry cleaners, Phase 1,VTC Banglore north,, Bengaluru, Karnataka, 560077, India
05	Chitra Praneeth	48	2291 2nd Cross ,3rd Main Opp Total Mall HAL 3rd Stage Banglore North, North Banglore, Karnataka, 560017, India
06	Venkatesh Prasad	53	2291 2nd Cross ,3rd Main Opp Total Mall HAL 3rd Stage Banglore North, North Banglore, Karnataka, 560017, India
07	Padmanadha Kundapur Krishnamurthy	49	2291 2nd Cross ,3rd Main Opp Total Mall HAL 3rd Stage Banglore North, North Banglore, Karnataka, 560017, India
08	Anita Rangappa	61	2291 2nd Cross ,3rd Main Opp Total Mall HAL 3rd Stage Banglore North, North Banglore, Karnataka, 560017, India
09	Padmini Hegde	34	2291 2nd Cross ,3rd Main Opp Total Mall HAL 3rd Stage Banglore North, North Banglore, Karnataka, 560017, India

सहस्त्र ताल दुर्धटना में खोज–बचाव में तैनात विभाग/ऐजेन्सी।

जनपद आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण, उत्तरकाशी – **प्लानिंग ऐजेन्सी।**

जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी– **कोऑडिनेटिंग ऐजेन्सी।**

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण।	एस0डी0आर0एफ0, देहरादून।
भारतीय वायुसेना।	पुलिस विभाग, उत्तरकाशी।
उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण।	वन विभाग, उत्तरकाशी।
कर्नाटका राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण।	अग्निशमन विभाग, उत्तरकाशी।
उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण	जिला प्रशासन उत्तरकाशी।
12 बटालियन, आई0टी0बी0पी0, मातली	ए0आर0टी0ओ0, उत्तरकाशी।
जिला प्रशासन, देहरादून।	हिमालयन हास्पिटल, जौलीग्रान्ट, देहरादून।
एन0डी0आर0एफ0।	पर्यटन विभाग, उत्तरकाशी।
जिला प्रशासन, टिहरी गढ़वाल।	स्वास्थ्य विभाग उत्तरकाशी।
आई0एम0एफ0, नई दिल्ली।	उत्तरकाशी ट्रैकिंग एसोसिएशन।
सेना हर्षिल।	

प्रेषक,

जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

सेवा में,

संयुक्त सचिव,
रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली।

संख्याः– 526 /तेरह–आ0प्र0/हैली रेस्क्यू/2024 दिनांक 06 जून, 2024

विषयः– **सहस्त्रताल ट्रैक पर फंसे ट्रैकरों का रेस्क्यू कार्य हेतु तैनात हैलीकॉप्टर के कार्यमुक्त (DE-REQUISITION) किये जाने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि इस कार्यालय के एयरफोर्स के हैलीकॉप्टर मॉग पत्र (REQUISITION) संख्या–520/DDMA/2024 दिनांक 04.06.2024 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। उक्त के क्रम में सहस्त्रताल ट्रैक पर फंसे 22 ट्रैकिंग दल के रेस्क्यू कार्य हेतु जनपद में सेना के 02 चीता हैलीकॉप्टर एवं वायुसेना के एम0आई0–17 की तैनाती की गयी है। दिनांक 06.06.2024 को प्रातः 8:25 बजे तक ट्रैकिंग दल के सभी सदस्यों का सहस्त्रताल से रेस्क्यू कार्य पूर्ण किया गया है। जनपद मुख्यालय पर लाये गये ट्रैकर्स के शवों का पोस्टमार्टम/पंचनामा की कार्यवाही के उपरान्त ट्रैकिंग दल के 05 सदस्यों व शवों को एम0आई0–17 हैलीकॉप्टर से जौलीग्राण्ट भेजा जायेगा। उक्त के उपरान्त हैलीकॉप्टर की आवश्यकता नहीं होगी।

अतः जनपद में तैनात सेना के 02 चीता हैलीकॉप्टर को आज दिनांक 06.06.2024 को तत्काल कार्यमुक्त (DE-REQUISITION) करते हुये वायु सेना के एम0आई0–17 हैलीकॉप्टर को ट्रैकर्स/शवों को जोलीग्राण्ट पहुँचाये जाने के उपरान्त कार्यमुक्त (DE-REQUISITION) किया जाता है।

अतः सूचना महोदय की सेवा में सादर प्रेषित।

भवदीय,

मुख्य अधिशासी अधिकारी,
जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण/
अपर जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।

प्रतिलिपिः– निम्नांकितों की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

1- MOD, New Delhi.
2- MHA, Control room, New Delhi.
3- NDMA, Control room, New Delhi.
4- NERC Control Room.
5- Air Force, Vayu Bhawan, New Delhi.
6- DIG ITBP, Seemadwar, Indra Nagar, Dehradun.
7- DIG S.S.B, FTR Ranikhet, Almora, Uttarakhand.
8. Commandant 12th Bn ITBP, Matali Uttarkashi
9. Commandant 15th BN NDRF, Gadarpur, Uttarakhand.
10- Secretary, State Disaster Management Authority, Uttarakhand.

मुख्य अधिशासी अधिकारी,
जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण/
अपर जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।

प्रेषक,

जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधीक्षक,
हिमालयन हॉस्पिटल, जौलीग्राण्ट,
देहरादून।

संख्या– 525 /तेरह–आ0प्र0प्राधि0/ट्रैकिंग रेस्क्यू/2024–25 दिनांक 6 जून, 2024

विषयः– सहस्त्रताल ट्रैक पर मृतक ट्रैकर्स के शवों को संलेपन (Embalming) सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अवगत कराना है दिनांक 03.06.2024 को सहस्त्रताल ट्रैक मार्ग पर मौसम खराब/बर्फबारी से मार्ग भटकने के कारण मृतक 09 लोगों को हैलीकॉप्टर से निकाले गये है। जिनमे मृतक ट्रैकर्स कर्नटक आदि स्थानों के होने के कारण दल के अन्य सदस्यों एवं परिजनों द्वारा उक्त शवों के अपने गृह जनपद ले जाया जायेगा। उक्त निकाले गये शवों का जनपद में पोस्टमार्टम/पंचनामा आदि कार्यवाही के पश्चात शवों को सेना के MI-17 हैलीकॉप्टर से जौलीग्राण्ड छोड़ा जायेगा। जिसके उपरान्त शवों को हिमालयन हॉस्पिटल, जौलीग्राण्ट, लाया जायेगा। उक्त शवों को अन्तिम संस्कार हेतु उनके गृह नगर/निवास स्थान ले जाने हेतु शवों का संलेपन (Embalming) कर काफिन में रखे जाने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था की जानी है।

अतः अनुरोध है कि उक्त 09 शवों का संलेपन (Embalming) एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था कर मृतक के परिजनों को सुपुर्द करने का कष्ट करें। उक्त मृतकों के मृत्यु प्रमाण पत्र/पोस्टमार्टम रिपोर्ट/पुलिस का अनापत्ति प्रमाण पत्र/पंचनामा, मृतकों के पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्रेषित किये जा रहे हैं। जिनके व्यय देयकों का भुगतान हेतु इस कार्यालय को प्रस्तुत करने का कष्ट करें।

संलग्न–यथोपरि।

भवदीय,

मुख्य अधिशासी अधिकारी,
जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण/
अपर जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।

प्रतिलिपिः– निम्नांकित की सेवा में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. जिलाधिकारी, देहरादून की सेवा में इस आशय से प्रेषित कि उक्त शवों के संलेपन आदि कार्यवाही हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान किये जाने हेतु अधिकारी की तैनाती कर निर्देश करने का कष्ट करें।
2. आपदा प्रबन्धन अधिकारी, देहरादून।
3. राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून।

मुख्य अधिशासी अधिकारी,
जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण/
अपर जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।

शवों के संलेपन (Embalming) हेतु हिमालयन हॉस्पिटल, जौलीग्राण्ट, भेजे जाने संबन्धी पत्र

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तरकाशी द्वारा रेस्क्यू कार्य पूर्ण होने के उपरान्त सभी हित धारकों से भविष्य में उक्त घटनाओं कि रोकने के संबन्ध में चर्चा कि गयी, चर्चा के उपरान्त घटनाओं को न्यून करने संबन्धित निम्न सुझाव प्राप्त हुये है–

1. ट्रैकिंग हेतु गाईडलाईन तैयार किये जाने के सम्बन्ध में–

वर्ष 2009 से जनपद के विभिन्न ट्रैकिंग रूटों पर 29 अलग–अलग घटनाओं में लगभग 84 ट्रैकर्स की मृत्यु हुयी है। इन घटनाओं का जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तरकाशी तथा राज्य सरकार द्वारा भी संज्ञान लेते हुये तत्काल राहत–बचाव कार्य प्रारम्भ कर समय–समय पर नागरिक उड्डयन विभाग तथा भारतीय वायुसेना के हैलीकॉप्टर का भी सहयोग लिया गया। ट्रैकिंग में ट्रैकर्स की सुरक्षा के दृष्टिगत जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा पूर्व में समय–समय पर सम्बन्धित विभागों तथा ट्रैकिंग ऐजेन्सियों को दिशा–निर्देश निर्गत किये गये है। ट्रैकिंग में घटना के पश्चात केवल राहत–बचाव कार्य ही सम्भव हो पाता है, जबकि घटना से पूर्व सुरक्षा सम्बन्धी तैयारियॉ की जानी अति–आवश्यक है। इस सम्बन्ध में मानक प्रचालन विधि (SOP) विकसित की जानी अतिआवश्यक है तथा ट्रैकिंग रूट पर जाने वाले ट्रैकर्स की सुरक्षा के सम्बन्ध में विभिन्न एजेन्सियों (विशेष रूप से नेहरू पर्वतारोहण संस्थान, आई0टी0बी0पी0 व एस0डी0आर0एफ0) एवं अन्य संस्थाओं यथा वन विभाग, ट्रैकिंग ऐशोसिऐशन, पर्यटन, पुलिस, आपदा प्रबन्धन, राजस्व एवं चिकित्सा विभाग से भी सुझाव प्राप्त कर एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जानी अति आवश्यक है।

2. विभिन्न ट्रैक रूटों को अलग–अलग श्रेणीवद्ध किये जाने के सम्बन्ध में–

समस्त वन प्रभागों, गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क व गोविन्द पशु विहार द्वारा अपने नियंत्रणाधीन क्षेत्र में समस्त ऐसे ट्रैक मार्गों की सूची तैयार कर जनपद के समस्त ट्रैक रूटों को उनकी ऊचॉई, लम्बाई, ट्रैकिंग हेतु निर्धारित दिन एवं कठिनाई तथा पूर्व में हुई दुर्घटनाओं के दृष्टिगत नेहरू पर्वतारोहण संस्थान द्वारा सुझाये गये निम्न तीन श्रेणियों यथा (Easy-9000-12000 FT, Moderate- 12000-15000, Difficult-15000-18000) में श्रेणीबद्व किया जाना उचित होगा। इसी प्रकार उक्त श्रेणियों के अनुसार ट्रैकिंग ऐजेन्सियों को भी कैटेगिरी के अनुरूप बॉटा जाये जो समबन्धित ट्रैकिंग हेतु ऐजेन्सी के रूप में कार्य करेंगे।

अलग–अलग श्रेणी में आने वाले ट्रैक हेतु श्रेणीवार ट्रैकिंग के लिए पृथक–पृथक चैकलिस्ट वन विभाग द्वारा सम्बन्धित संस्थाओं से समन्वय कर तैयार किया जाये। इसी प्रकार पोर्टर तथा गाईड को श्रेणी अनुसार प्रशिक्षित होना आवश्यक होगा। ट्रैक रूटों पर बिना स्थानीय/प्रशिक्षित गाईड व बिना पंजिकृत एजेन्सी के किसी भी दल को ट्रैकिंग की अनुमति प्रदान नही की जाये, इसके अतिरिक्त श्रेणीवार निर्धारित ट्रेकों हेतु तैयार की गयी चैकलिस्ट व प्रशिक्षित गाईड/पोटर तथा पैरामेडिक स्टाफ होने पर ही ट्रैकिंग की जा सकेगी। उपरोक्तानुसार कोई भी मानक पूर्ण न होने पर ट्रैकिंग दल को अनुमति प्रदान नहीं की जाय। समस्त ट्रैक मार्गो पर जाने वाले ट्रैकिंग दल को अनुमति केवल सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी/उप निदेशक तथा पर्यटन कार्यालय स्तर से जारी की जाय।

श्रेणीवार ट्रैक रूटों में जाने वाले ट्रैकिंग दल के सभी सदस्यों का बेसिक सूचना यथा– नाम, पूरा पता, परिजनों का सम्पर्क, स्वास्थ्यगत विवरण, मेडिकल (रक्तचाप, मधुमेह, ई0सी0जी0), समुचित संसाधन (टेन्ट, शूज, क्लोदिंग, भोजन सामग्री, मानकानुसार पोर्टर) पूर्व अनुभव, गाईड का प्रशिक्षण तथा उक्त ट्रैक का पूर्व अनुभव, पोटर्स का अनुभव, मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी जानकारी सहित वन विभाग की अन्य शर्ते आदि समाहित की जा सकेगीं। ट्रैकिंग की अवधि के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों के मौसम, जलवायु, विन्ड, राहत–बचाव की स्थिति में हैलीकॉप्टर लैडिंग सम्बन्धी जानकारियों के ज्ञान होने की सम्बन्धित गाईड से अपेक्षा की जाती है।

पंजीकृत ट्रैकिंग एजेन्सियों के साथ गाईड/पोर्टस का अनिवार्य रूप से पंजीकरण किया जाय एवं प्रशिक्षित/अनुभवी गाईड एवं पोर्टस होने पर ही ट्रैकिंग की अनुमति प्रदान की जाय तथा गाईड व पोटरों का बीमा अनिवार्य रूप से किया जाय साथ ही उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जाने वाले समस्त ट्रैकिंग/माउन्टेनियरिंग दल के समस्त सदस्यों को क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति से भली–भॉति परिचित होने पर ही अनुमति प्रदान की जाये।

3. अधिक ऊचांई वाले ट्रैक रूटों हेतु ट्रैकिंग की अनुमति के सम्बन्ध में–

जनपद के 12000 फीट की ऊचांई वाले समस्त ट्रैक मार्गो में ट्रैकिंग हेतु पृथक से चैकलिस्ट तैयार की जायेगी,

उक्त ट्रैकिंग दल के गाईड को आवश्यक रूप से नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी अथवा इसके समकक्ष संस्थान से कम से कम एडवांस माउन्टेनिंयरिग कोर्स ''ए'' श्रेणी में उर्तीण किया हो। उक्त ट्रैक पर तकनीकी/प्रशिक्षित व्यक्ति (गाईड, पोर्टर, पर्यटक आदि) जो कि पर्वतारोहण एवं ट्रैकिंग से भलीभॉति परिचित/प्रशिक्षित हो, को ही ट्रैकिंग की अनुमति प्रदान की जाय। विभिन्न ट्रैकिंग रूटों पर गैर पंजिकृत ऐजेन्सियों द्वारा ट्रैकिंग करवाने वाली एजेन्सियों के विरूद्व मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्यवाही की जाय एवं नियम विरूद्व अनुमति जारी करने वाले समस्त विभागीय अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाय।

12000 फीट से ऊपर जाने वाले समस्त ट्रैकिंग/पर्वतारोहण दल को बिना नर्सिग सहायक अथवा विल्डरनेस फस्ट रिस्पोन्डर (WFR) एवं CPR कोर्स क्वालीफाईड गाईड/सहायक के ट्रैकिंग की अनुमति प्रदान न की जाय। प्रत्येक दशा में उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जाने वाले ट्रैकिंग/पर्वतारोहण दल को आवश्यक रूप से उच्च हिमालयी क्षेत्रों में आपात स्थिति में उपयोग में होने वाली दवाईयॉ/मेडिकल किट ले जानी अनिवार्य की जाय एवं समस्त ट्रैकिंग/पर्वतारोहण दल का स्वास्थ्य परीक्षण कर प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया जाय। 12000 फीट से ऊपर जाने वाले समस्त ट्रैकिंग/पर्वतारोहण दल हेतु ट्रैकिंग एजेन्सी एवं सम्बन्धित वन विभाग द्वारा आपातकालीन स्थिति हेतु रेस्क्यू/इवाक्वेशन प्लान (हैलीकप्टर एजेन्सी सहित) प्रस्तुत किया जाना उचित होगा तथा अनुमति व आपातकालीन योजना की प्रति निश्चित रूप से जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, पर्यटन विभाग तथा आपदा प्रबन्धन विभाग को ससमय उपलब्ध कराया जाय। अर्न्तप्रभागीय, अर्न्तजनपदीय एवं अर्न्तराज्यीय ट्रैकिंग मार्ग के लिए अनुमति जारी किये जाने की स्थिति में वन विभाग द्वारा सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी, जनपद एवं राज्य को अनुमति की प्रति निश्चित रूप से प्रदान की जाय।

ट्रैकिंग एजेन्सियों को ट्रैकिंग के दौरान बी0एस0एन0एल0 लि0 द्वारा प्रद्त सिम कार्ड आधरित जी0एस0पी0एस0 फोन को सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अधीन ले जाना के साथ ही अन्य संचार सम्बन्धी उपकरण, जी0पी0एस0 ट्रैकिंग डिवाइस/रेडियो कॉलर होने पर ही अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में निर्णय लिया जाना उचित होगा। सम्बन्धित वन विभाग एवं ट्रैकिंग ऐजेन्सी द्वार समय–समय पर ट्रैकिंग दल की स्थिति की नियमित रियल टाईम मॉनिटरिंग की जाय। ट्रैकिंग की अवधि के दौरान मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी प्राप्त करते हुये मौसम, ट्रैक हेतु अनुकूल होने पर ही ट्रैकिंग का निर्णय लिया जाये।

12000 फीट से ऊपर जाने वाले ट्रैकिंग दलों को जाने से पूर्व ट्रैकिंग रूट का टाईम लेप्स विडियों जिसमें उक्त ट्रैक क्षेत्र की जानकारी व भौगोलिक स्थिति, संवेदनशील पड़ाव, पूर्व में घटित घटनाओं व सम्भावित खतरे के सम्बन्ध में जानकारी तथा मौसम सम्बन्धी जानकारी वन विभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से प्रर्दशित की जाय। इसके अतिरिक्त ट्रैक रूट पर जाने वाले कुक, पोर्टर, गाईड एवं दल के समस्त सदस्यों को प्राथमिक उपचार एवं उपकरणों का व्यवहारिक ज्ञान की जानकारी उपलब्ध करायी जाय। उच्च हिमालय क्षेत्रों में ट्रैकिंग/माउन्टेनियरिंग दल के साथ जाने वाले समस्त पोर्टरों द्वारा उठाये जाने वाले भार का निर्धारण करते हुये गाईड तथा पोर्टस को दिये जाने वाले न्यूनतम दैनिक मानदेय को भी निर्धारित किया जाय। इसके साथ प्रत्येक ट्रैक हेतु प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के लिए दर निर्धारित की जाये, इस दर से न्यून कोई भी ट्रैकिंग ऐजेन्सी कार्य नही करेगी जिससे गुणवत्तायुक्त व सुरक्षित ट्रैकिंग की जा सके। ट्रैकिंग हेतु दैनिक रूप से निर्धारित पडावों तक ही ट्रैकिंग की जानी होगी, तथा ट्रैक रूट से हटकर ट्रैकिंग नही किया जाना सुनिश्चित किया जाय। उक्त तथ्यों का आंकलन ट्रैकिंग के उपरान्त जी0पी0एस0 ट्रैकलॉग से किया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त ट्रैकिंग दल का ट्रैकिंग एजेन्सी के साथ सहमति–पत्र, ट्रैकिंग एजेन्सी का गाईड व पोर्टस के साथ सहमति पत्र का प्रारूप तैयार कर सहमति पत्रों की प्रति अनुमति से पूर्व उपलब्ध करायी जाने होगी। उक्त सहमति पत्रों में सम्बन्धित एजेन्सी को भुगतान की जाने वाली धनराशि, उपलब्ध सुविधाओं/मानदेय/पोर्टर हेतु उठाये जाने वाले भार का विवरण, गाईड/पोटर की दक्षता, प्रति ट्रैकर उपलब्ध पोर्टर की अनिवार्य संख्या, कैम्पिंग साईट का विवरण एवं ट्रैकिंग हेतु निर्धारित दिन आदि का स्पष्ट उल्लेख किया जाय।

सम्बन्धित ट्रैकिंग एजन्सियों को यह भी निर्देश दिये जाने उचित होगे कि ट्रैक समाप्ति के पश्चात ट्रैकर्स के सुरक्षित वापस आने की सूचना, जी0पी0एस0 ट्रैकलॉग एवं फीडबैक, सम्बन्धित वन विभाग को उपलब्ध करायी जाय। ट्रैकिंग एजन्सियों द्वारा इन नियमों का पालन न किये जाने की दशा में एजेन्सी के विरूद्व आवश्यक कार्यवाही कर भविष्य हेतु ट्रैकिंग के लिए जनपद में प्रतिबन्धित किया जाय।

4. ट्रैकिंग हेतु मार्गों का मैप जटिलता/सुविधाओं के सम्बन्ध में –

पर्यटन व वन विभाग समन्वय कर समस्त ट्रैकिंग रूटों को चिन्हित/सूचिबद्ध करने सम्बन्धित सूचना संकलित करते हुये ट्रैकिंग रूटों का मैप, विभिन्न पड़ाओं (कैम्प) के नाम कॉर्डिनेट सहित GIS KML फाईल, रोडहेड, ट्रैक रूट के पड़ाववार पैदल दूरी, समुद्र तल से ऊँचाई, संचार सुविधा, आक्सीजन न्यूनतम एरिया/ट्रैक रूट पर उपलब्ध सुविधा, ट्रैक की श्रेणी तथा आपात स्थिति हेतु हैलीपैड आदि की सुविधा सम्बन्धी सूचनाओं की ट्रैक रूटवार कार्ययोजना तैयार किया जाय। उचित होगा की पर्यटन व वन विभाग द्वारा इस प्रकार की ट्रैकिंग एटनरी सम्बन्धित बुक प्रकाशित की जाय।

5. ट्रैकिंग निगरानी प्रणाली–

ट्रैकिंग एवं माउन्टेनियरिंग पर जाने वाले पर्यटकों की निगरानी हेतु एक गूगल स्प्रेड डाटा शीट तैयार किया जाय, जिसमें प्रतिदिन सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी/उपनिदेशक द्वारा अपडेट किया जाय तथा उसकी व्यक्तिगत नियमित मॉनिटरिंग सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी, उपनिदेशक, ट्रैकिंग ऐशोसिऐशन, पर्यटन विभाग व शासन द्वारा की जाय।

6. आपात स्थिति में राहत बचाव–

ट्रैकिंग ऐजेन्सी को जनपद में पंजीकृत किये जाने से पूर्व ऐजेन्सी को ट्रैकिंग ऐशोसिऐशन से प्रमाणित किया जाना आवश्यक होगा। ट्रैकिंग ऐशोसिऐशन प्रमाणिकता देने से पूर्व ऐजेन्सी के पास उपलब्ध अनुभव, संशाधन, पोटर व गाईड का प्रशिक्षण आदि मानकों का जांच करेगी। इस प्रकार ऐजेन्सी के साथ ट्रैकिंग के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना व आपातकाल की स्थिति में ट्रैकिंग ऐसोशिऐशन राहत–बचाव कार्य हेतु जिम्मेदार होगी। जिसका तकनीकी सहयोग डी0डी0एम0ए0, एस0डी0आर0एफ0, एन0आई0एम0, राजस्व विभाग, पुलिस एवं विभाग द्वारा किया जा सकेगा।

उक्त राहत–बचाव कार्य हेत समस्त संशाधनों की व्यवस्था ऐशोसिऐशन द्वारा की जायेगी तथा राहत–बचाव कार्य के व्यय का भुगतान सम्बन्धित ऐजेन्सी अथवा ट्रैकिंग ऐशोसिऐशन द्वारा वहन किया जायेगा। ऐसा न करने की स्थिति में सम्बन्धितों से राजस्व वसूली की कार्यवाही की जा सकेगी।

सहस्त्र ताल दुर्धटना एंव खोज–बचाव संबंधी फोटोग्रफ्स

सहस्त्र ताल ट्रैक पर जाने से पूर्व 22 सदस्यों का दल

सहस्त्र ताल ट्रैक के दौरान ट्रैकिंग दल

आपदा प्रबन्धन प्रतिक्रिया तन्त्र सक्रिय

घटना कि जानकारी प्राप्त करते जिलाधिकारी एंव पुलिस अधीक्षक

रेस्क्यू हेतू एम0आई 17 देहरादून से उड़ान भरते हुये

मातली हैलीपैड पर तैनात एम0 आई 17

सहस्त्रधारा हैलीपैड से ए0डी0आर0एफ0 कि टीम घटना स्थल के लिए रवाना होते हुए

सहस्त्र ताल दुर्धटना स्थल पर मृतक ट्रैकर्स को एयर लिफ्ट किये जाने हेतु एस0डी0आर0एफ0 टीम कि कार्यवाही

भारतीय वायुसेना के चीता हैलीकाप्टर से मृतकों को नटीन हैलीपैड लाते हुए

नटीन हैलीपैड पर मृतक ट्रैकर्स को डैडबॉडी बैग में रखते एस0डी0आर0एफ0 के जवान

रेस्क्यू किये गये ट्रैकर्स नटीन में प्राथमिक जांच एंव भोजन आदि कि व्यवस्था

भारतीय वायुसेना के चीता हैलीकाप्टर द्वारा राहत कार्य

मृतक ट्रैकर्स के शवों को शव वाहन द्वारा पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय लाये जाने कि कार्यवाही

02 ट्रैकर्स को ITBP एंव वन विभाग द्वारा पैदल मार्ग से रेस्क्यू कार्य

जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम एंव मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने कि कार्यवाही

पोस्टमार्टम के पश्चात शवों को लेने हेतु परिजन एंच साथी ट्रैकर्स

पोस्टमार्टम के पश्चात शवों का एम0आई0 17 से देहरादून भेजे जाने हेतु मातली हैलीपैड पंहुचाने कि कार्यवाही

टैकर्स के शवों एंव रेस्क्यू किये गये ट्रैकर्स को एम0आई0 17 के माध्यम से देहरादून भेजे जाने कि कार्यवाही

रेस्क्यू किये गये ट्रैकर्स जौलीग्रन्ट एयरपोर्ट पहुंचे

टैकर्स के शवों को एम0आई0 17 से निकालत हुए एस0डी0आर0एफ0 के जवान

शवों को विमान से भेजने से पूर्व संलेपन हेतु ऐबुलेंस से हिमालयन हास्पिटल जौलीग्रांन्ट

रेस्क्यू किये गये ट्रैकर्स से जानकारी जुटाते एस0डी0आर0एफ0 एंव राज्य प्रतिनिधि

अन्य फोटोग्रफ्स

GARMIN
Press to Save
Position:
N 30°43.2593'
E 078°45.2660'
Alt. 4259
SOLAR

praveen singh 2024.06.05 18:11

VT-GVF

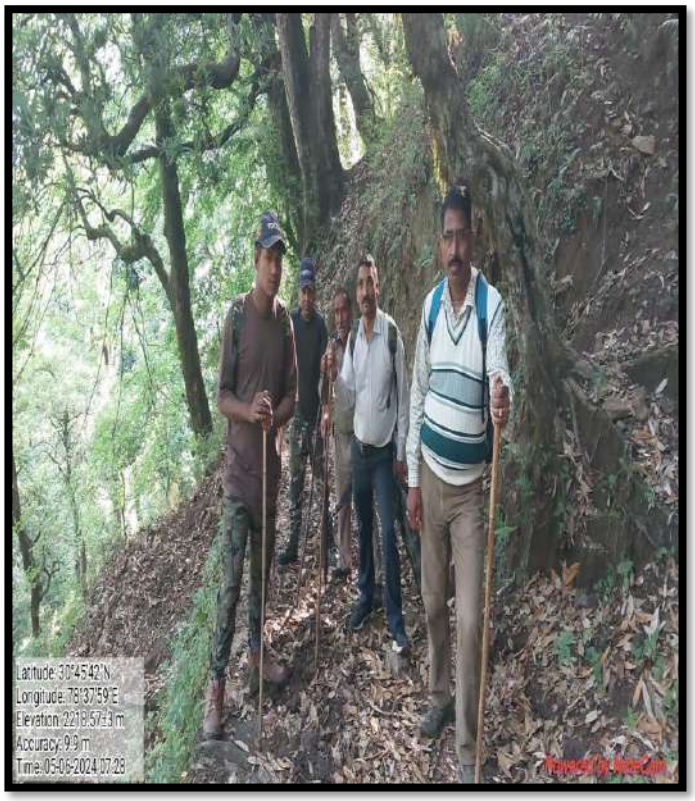
Latitude: 30°45'42"N
Longitude: 78°37'59"E
Elevation: 2218.57±3 m
Accuracy: 9.9 m
Time: 05-06-2024 07:28

समाचार कतरन

जिला कार्यालय परिसर,गंगोत्री भवन उत्तरकाशी।

समाचार पत्रः दै0जागरण / हिन्दुस्तान / अमर उजाला / रा0सहारा / दै0 भास्कर / शाह टाईम्स / पंजाब केसरी / अन्य...........

दिनांक 06/6/24

जिला प्रशासन को शाम 4 बजे मिली थी सूचना

उत्तरकाशी हादसा

■ बुधवार को सुबह सात बजे वायुसेना ने रेस्क्यू का मोर्चा संभाला

उत्तरकाशी (एसएनबी)। उत्तरकाशी जिला प्रशासन को मंगलवार शाम करीब चार बजे सहस्त्रताल ट्रैक पर हादसे की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने एसडीआरएफ हेडक्वार्टर को पत्र लिखकर रेस्क्यू का अनुरोध किया। इसके साथ ही शासन स्तर से रेस्क्यू के लिए हेलीकॉप्टर भेजने का आग्रह किया।

बुधवार को सुबह सात बजे वायुसेना ने रेस्क्यू का मोर्चा संभाला। दो हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कार्य शुरू करते हुए जिला प्रशासन और पुलिस के सहयोग से रेस्क्यू टीमों ने लगभग 24 घंटे के भीतर ट्रेक पर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि हादसे में अब तक कुल नौ लोग की मौत हो गई, जिनमें पांच शव निकाले जा चुके है। बुधवार को सुबह हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू करते हुए 11 लोगों को नटीण हेलीपैड पर पहुंचाया गया, जिनमें छह लोग पूरी तरह ठीक थे, जबकि अन्य लोग बीमार हालत में पाए गए। इन सभी को हेलीकॉप्टर से दून भेजा गया। दोपहर तक कुल 11 लोग रेस्क्यू किए जा चुके थे और पांच शव भी नटीण हेलीपैड पर पहुंचाए गए।

जिलाधिकारी डॉ.मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया बुधवार को सुबह सहस्त्रताल की ट्रैकिंग रुट पर फंसे ट्रैकर्स को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ व वन विभाग के रेस्क्यू दल अलग-अलग दिशाओं से घटना स्थल के लिए रवाना हुए। वन विभाग की दस सदस्यों की रेकी व रेस्क्यू टीम सिल्ला गांव से आगे निकल चुकी थी। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से एसडीआरएफ का दल भी सुबह टिहरी जिले के बूढ़ाकेदार की ओर से रेस्क्यू के लिए रवाना हुई। इस रेस्क्यू अभियान के समन्वय में जुटे पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि सुबह एसडीआरएफ की माउंटेनियरिंग टीम भी देहरादून से हेलीकॉप्टर से एरियल रैकी के रवाना हो गई थी।

जिला अस्पताल उत्तरकाशी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भटवाड़ी को अलर्ट पर रखा गया था। आइटीबीपी मातली से भी 14 रेस्क्यूअर्स और एक डॉक्टर को रवाना किया गया। एनआईएम से भी बैकअप टीम रवाना की गई।

टिहरी जिला प्रशासन भी रहा अलर्ट

सहस्त्रताल में रेस्क्यू के लिए टिहरी जिला प्रशासन द्वारा भी हेली रेस्क्यू के लिए अरदंगी हेलीपेड को अलर्ट मोड पर रखा गया था, जहां पर एम्बुलेंस टीम, लोनिवि व पुलिस की टीम तैनात की गई। खोज बचाव के लिए जनपद टिहरी से भी वन विभाग, एसडीआरएफ पुलिस व स्थानीय लोगों की टीम रवाना की गई, जो कि घनसाली के पिनस्वाड़ से पैदल रवाना हुई।

खराब मौसम के कारण हेली से रेस्क्यू रूका

उत्तरकाशी। बुधवार को सहस्त्रताल क्षेत्र में मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर से दोपहर बाद रेस्क्यू कार्य रोकना पड़ा। जमीनी पैदल रेस्क्यू टीमें घटनास्थल के लिए रवाना हुई है। मौसम ठीक रहा तो बृहस्पतिवार को फिर से हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कार्य शुरू किया जाएगा। जिला प्रशासन लगातार सतर्क मोड में है।

सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम ने संभाला मोर्चा

उत्तरकाशी, संवाददाता। उत्तरकाशी जिला प्रशासन को मंगलवार शाम करीब चार बजे सहस्त्रताल ट्रैक पर ट्रैकिंग दल के साथ हादसे की सूचना मिली। प्रशासन ने एसडीआरएफ हेडक्वार्टर को पत्र लिखकर रेस्क्यू का अनुरोध किया। शासन स्तर से रेस्क्यू के लिए हेलीकॉप्टर भेजने का आग्रह किया। बुधवार को सुबह सात बजे वायुसेना ने रेस्क्यू का मोर्चा संभाला। दो हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कार्य शुरू करते हुए जिला प्रशासन और पुलिस के सहयोग से रेस्क्यू टीमों ने लगभग 24 घंटे के भीतर ट्रैक पर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि इसमें नौ की मौत हो गई। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। जिला अस्पताल और सीएचसी भटवाड़ी को अलर्ट पर रखा गया था।

हिन्दुस्तान

ट्रैकर्स को रेस्क्यू करने में जुटी एसडीआरएफ की टीम। संवाद

सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर गए नौ ट्रैकर्स की मौत, 13 को बचाया

उत्तरकाशी : पांच के शव मिले, चार के बृहस्पतिवार सुबह तक पहुंचने की उम्मीद, मौसम बिगड़ने से भटक गए थे रास्ता, ठंड में गुजारनी पड़ी थी रात

उत्तरकाशी। उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित सहस्त्रताल की ट्रैकिंग के दौरान मौसम बिगड़ने से रास्ता भटके ट्रैकरों में मरने वालों की संख्या 9 हो गई। 5 के शव बुधवार दिन में ही मिल गए थे, रात में प्रशासन ने लापता चल रहे अन्य 4 की मौत की भी पुष्टि कर दी। उनके शव बृहस्पतिवार सुबह तक लाए जाएंगे।

वहीं, प्रशासन ने 13 ट्रैकरों को सुरक्षित निकाल लिया। 29 मई को कर्नाटक और महाराष्ट्र के ट्रैकरों का 22 सदस्यीय दल सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर गया था। दो जून को दल कोखली टॉप बेस कैंप पहुंचा था। इनमें से 20 ट्रैकर्स तीन जून को सहस्त्रताल रवाना हुए थे, लेकिन घने कोहरे और बर्फबारी में फंस गए। पूरी रात उन्हें ठंड में काटनी पड़ी। एसपी अर्पण यदुवंशी ने देर रात नौ ट्रैकर्स की मौत की पुष्टि की है। संवाद

इन ट्रैकर्स की हुई मौत

सिंधु वकेलाम, आशा सुधाकर, सुजाता मुंगरवाडी, विनायक मुंगुरवाडी, चित्रा प्रणीत, वेंकटेश प्रसाद, पद्मनाभ कृष्णमूर्ति, अनिता रंगप्पा, पद्मिनी हेगड़े (सभी कर्नाटक के) की मौत हो गई।

ये ट्रैकर्स सुरक्षित निकाले गए

सौम्या कनाले, स्मृति डोलस, शीना लक्ष्मी, एस शिवा ज्योति, अनिल जमतीगे अरुणाचल भट्ट, भरत बोम्मन गौडर, मधु किरण रेड्डी, जयप्रकाश बीएस, एस सुधाकर, विनय एमके, विवेक श्रीधर, नवीन ए और रितिका जिंदल।

■ वायु सेना की टीम भी रेस्क्यू अभियान में जुटी

मंगलवार शाम ट्रैकिंग एजेंसी के मालिक ने प्रशासन को हादसे की सूचना दी। प्रशासन ने एसडीआरएफ कमांडेंट को सूचना दे रेस्क्यू के लिए टीम भेजने का आग्रह किया। बुधवार दिन होते ही अलग-अलग दिशाओं से एसडीआरएफ व वन विभाग की रेस्क्यू टीमें रवाना की गई। वायु सेना की हेली सर्च एंड रेस्क्यू टीम भी अभियान में शामिल हुई।

■ मौसम बिगड़ने के कारण रोकना पड़ा रेस्क्यू

डीएम डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट की निगरानी में चले रेस्क्यू के तहत बुधवार शाम तक 13 ट्रैकरों को सुरक्षित निकाला गया। वहीं, 5 के शव बरामद किए गए। दो ट्रैकर रितिका जिंदल व नवीन वन विभाग की टीम के साथ कुश कल्याण बुग्याल से पैदल सिल्ला गांव के लिए रवाना हुए। अभी चार ट्रैकर लापता हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल का कहना है कि दोपहर बाद मौसम बिगड़ने से हेली सर्च एंड रेस्क्यू रोकना पड़ा है। >> संबंधित 05

जल्द पूरा हो जाएगा रेस्क्यू ऑपरेशन

रेस्क्यू ऑपरेशन युद्धस्तर पर चल रहा है। 13 ट्रैकरों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। पांच शव बरामद हो गए हैं। अन्य के लिए भी टीमें जुटी हुई हैं। बुधवार रात या बृहस्पतिवार सुबह तक ऑपरेशन पूरा हो सकता है। -डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, डीएम

एक ट्रैकर की मौत हुई तो चार ने दहशत में दम तोड़ा

सहस्त्रताल ट्रैक पर ट्रैकर्स के साथ गए गाइड राजेश ने सुनाई आपबीती

विपिन नेगी

उत्तरकाशी के कुश कल्याण से ट्रैकर्स को सकुशल लाती रेस्क्यू टीम। स्रोत: वन विभाग

उत्तरकाशी। सहस्त्रताल ट्रैक पर गए सभी ट्रैकर्स स्वस्थ थे, लेकिन अचानक मौसम बदला और तेज बारिश के साथ आंधी-तूफान शुरू हो गया। इस बीच घने कोहरे के साथ पहले से जमी बर्फ के बीच से निकलना मुश्किल हो गया। अत्यधिक ठंड से जैसे ही एक ट्रैकर की मौत हुई तो दहशत के कारण अन्य ने भी दम तोड़ दिया।

यह कहना है कि सहस्त्रताल ट्रैक पर 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल के साथ गए गाइड राजेश का। आप बीती सुनाते हुए राजेश ने बताया कि 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल ने बीते तीन जून को दोपहर करीब 11:30 बजे से 12 बजे के बीच करीब 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित सहस्त्रताल का आरोहण कर लिया था।

सफल आरोहण के बाद वापसी में दल बेस कैंप से करीब तीन किमी पहले परीताल के समीप पहुंचा, लेकिन वहां अचानक परिस्थितयां बदल गई। अचानक तेज बारिश, आंधी और घने कोहरे के साथ पूर्व से जमी बर्फ के बीच निकलना ट्रैकर्स के लिए मुश्किल हो गया। जबकि सभी ट्रैकर्स स्वस्थ थे।

वहां ठंड बहुत तेज थी और परिस्थितियां भी बस में नहीं थीं। इस बीच अत्यधिक ठंड के कारण एक ट्रैकर ने दम तोड़ दिया। उसे देखकर अन्य साथी भी डर गए और चार अन्य ट्रैकर की भी इसी डर में मौत हो गई। किसी को कुछ समझ नहीं आया, अचानक स्थिति विपरीत हो गई थी। राजेश ने बताया कि घटना के बाद वह 18 किमी पैदल चलकर आया है और उसने ट्रैकिंग एजेंसी और एसोसिएशन को जानकारी दी। संवाद

'बर्फ का एक तूफान आया और फिर हमें कुछ याद नहीं'

देहरादून। बर्फ का एक तेज तूफान आया था। हम जहां थे वहीं पर गिर गए। इसके बाद हमें कुछ याद नहीं। यह कहना है सहस्त्रताल ट्रैक से रेस्क्यू किए ट्रैकर का। सहस्त्रताल ट्रैक से रेस्क्यू कर लाए गए कुल आठ ट्रैकर को बुधवार को देहरादून के कोरोनेशन अस्पताल लाया गया था। यहां सभी की हालत सामान्य थी, जिन्हें प्राथमिक उपचार देकर छुट्टी कर दी गई। अस्पताल में भर्ती ज्यादातर ट्रैकर्स ने बातचीत से इन्कार कर दिया। इन्हीं में से एक अनिल भाटा निवासी जेपी नगर बेंगलूरु ने मंगलवार को हुई इस घटना के बारे में बात की। अनिल भाटा के साथ जय प्रकाश वीएस, भरत बी, मधुकिरन रेड्डी, शीना लक्ष्मी, सौम्य के, शिवा ज्योति और स्मृति प्रकाश डोलास को सहस्त्रधारा हेलीपैड से कोरोनेशन अस्पताल लाया गया था। अनिल ने बताया कि हमारा दल सहस्त्रताल ट्रैक आरोहण कर चुका था। उसके बाद अचानक बर्फ का तेज तूफान आया, इसके बाद क्या हुआ हमें कुछ याद नहीं। ब्यूरो

ऑडेंस कॉल केदारनाथ ट्रैक पर रवाना हुए 13 ट्रैकर्स

ऑडेंस कॉल केदारनाथ ट्रैक के लिए रवाना हुआ दल। स्रोत: जागरूक पाठक

उत्तरकाशी। दुनिया के सबसे ऊंचे ट्रैक में शामिल ऑडेंस कॉल-केदारनाथ ट्रैक के लिए 13 सदस्यीय ट्रैकरों का दल गंगोत्री से रवाना हुआ। दल में रुद्रप्रयाग के शिक्षक नवीन जोंटी सजवाण भी शामिल हैं।

बुधवार को स्थानीय माउंटेनियरिंग व ट्रैकिंग कंपनी माउंट हाइ विंड के सहयोग से ऑडेन्स कॉल-केदारनाथ (5490 मीटर) के लिए ट्रैकरों का दल रवाना हुआ। दल में रुद्रप्रयाग जनपद के बसुकेदार निवासी नवीन जोंटी सजवाण के साथ ही राजीव कुमार, दिलीप खांडेलवाल, दिलीप नाजकानी, सुबीर मुखर्जी, मुकेश वर्मा, अविनिन्दर सिंह, संतोष मौर्य आदि शामिल हैं।

वहीं, कपिल सिंह गाइड हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ट्रैकिंग के शौकीन शिक्षक नवीन जोंटी सजवाण इससे पहले दुनिया के सबसे ऊंचे दर्रों में शामिल कालिन्दी खाल व हिमाचल प्रदेश की गुमनाम चोटी को भी फतह कर चुके हैं।

नवीन जोंटी सजवाण ने बताया कि 5 जून को गंगोत्री धाम से रवाना हुए दल का लक्ष्य 17 जून तक ट्रैक रूट को पार कर केदारनाथ पहुंचने का है। उत्तरकाशी जिले में ऑडेंस कॉल ट्रैक गंगोत्री धाम और केदारनाथ धाम को जोड़ता है। संवाद

अचानक मौसम बदलने से हुआ हादसा, ठंड इतनी हो गई थी कि चल भी नहीं पा रहे थे

अजय कुमार

उत्तरकाशी। उच्च हिमालय क्षेत्र की आसमान छूती चोटियां और ट्रैक रूट साहसिक पर्यटन के शौकीनों का बड़ा आकर्षण है। लेकिन यहां पल-पल बदलता मौसम साहसिक पर्यटन के शौकीनों की परीक्षा लेता है। सहस्त्रताल ट्रैक पर भी अचानक बदले मौसम को ही हादसे का कारण बताया जा रहा है।

ट्रैकिंग दल के साथ गए स्थानीय जसपाल सिंह ने बताया कि दल के 20 सदस्य सहस्त्रताल समिट कर

दल के साथ गए जसपाल ने बताई हादसे की वजह

वापसी कर रहे थे कि अचानक मौसम बदला। आंधी-तूफान के साथ ओले पड़े। ठंड इतनी हो गई कि चार लोगों पैदल नहीं चल पाए। बाद में उनकी अत्यधिक ठंड से मौत हो गई।

उत्तरकाशी राज्य के उन कुछ जनपदों में से एक है, जिस पर प्रकृति ने दिलखोलकर नेमतें बरसी हैं। ताल-बुग्याल से होकर जाने वाले ट्रैक रूटों से लेकर यहां गंगोत्री हिमालय में 40 से अधिक पर्वत चोटियां हैं।

मौसम पूर्वानुमान लेना है जरुरी: कर्नल भदौरिया

नेहरु पर्वतारोहण संस्थान के प्रधानाचार्य कर्नल अंशुमान भदौरिया का कहना है कि ट्रैकिंग व पर्वतारोहण अभियान के दौरान मौसम पूर्वानुमान लेना जरुरी होता है। ऊपर चढ़ते समय गर्म व उतरते समय अचानक मौसम बदल सकता है। ऐसे में पर्याप्त गर्म कपड़े रखने के साथ अचानक मौसम बदलने पर सरवाइवल ट्रिक्स का ज्ञान होना बेहद जरुरी होता है।

प्रति वर्ष बड़ी संख्या में यहां ट्रैकर्स और पर्वतारोही ट्रैक रूटों को नापने और पर्वत चोटियों की ऊंचाई छूने के मकसद से पहुंचते हैं। लेकिन रोमांच से भर देने वाली इस साहसिक गतिविधि में एक छोटी सी गलती कई बार जान पर बन आती है।

पूर्व में हो चुके हादसे भी इसकी तस्दीक करते हैं। जैसे कि ट्रैकिंग व पर्वतारोहण पर निकलने से पहले मौसम का पूर्वानुमान चेक करना भी बेहद जरूर माना जाता है। कई बार अभियान के दौरान भी मौसम बदलने का खतरा रहता है।

बीते वर्षों में हुए हादसे

- वर्ष 2021-आईटीबीपी की लंबी दूरी पेट्रोलिंग के दौरान हिमस्खलन के कारण 3 पोर्टरों की मौत
- वर्ष 2021-लमखागा-छितकुल ट्रैक पर हिमस्खलन के कारण 7 की मौत
- वर्ष 2022-द्रोपदी का डांडा-2 चोटी आरोहण के दौरान हिमस्खलन में 28 की मौत, एक लापता।
- वर्ष 2023-रुनसारा ताला ट्रैक मोरी में तबीयत बिगड़ने से 2 ट्रैकर की मौत।
- वर्ष 2023-गंगोत्री-कालिंदीखाल ट्रैक पर तबीयत बिगड़ने से एक ट्रैकर की मौत।

ऐसे में चोटी आरोहण या ट्रैक के बीच होने के बावजूद भी अभियान स्थगित करना पड़ता है। सहस्त्रताल ट्रैक हादसे में भी मौसम अचानक बदलने के कारण हादसा होने की बात सामने आई है। संवाद

मौसम बदलते ही जोखिम में फंस जाती है जिंदगी

उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौसम अनुकूल न हो तो ट्रैकिंग के दौरान और अधिक बढ़ जाती हैं चुनौतियां

जोखिमभरा सफर

शैलेंद्र गोदियाल • उत्तरकाशी

उत्तरकाशी: हिमालयी क्षेत्र में ट्रैकिंग जितनी रोमांचकारी है उतनी ही जोखिमभरी भी। उच्च हिमालय की ट्रैकिंग में पहाड़ से पहले मौसम सबसे बड़ी चुनौती है। मौसम अनुकूल न हो तो जोखिम व चुनौतियां और अधिक बढ़ जाती हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्र में कब मौसम बदल जाए, मालूम नहीं पड़ता। सहस्रताल में बीते तीन और चार जून को हुई घटना के पीछे मौसम के अचानक बदलने की चुनौती एक बड़ा कारण है। उत्तरकाशी जिले के विभिन्न उच्च हिमालयी ट्रैक पर ट्रैकिंग के दौरान पिछले छह वर्षों में 64 ट्रैकर की मौत हो चुकी है। इनमें नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी के 29 प्रशिक्षु भी शामिल हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्र में औसतन हर दिन मौसम करवट लेता है और अचानक वर्षा, बर्फबारी व ओलावृष्टि होने लगती है। साथ ही घना कोहरा भी ट्रैकर की राह रोक देता है। इसलिए उच्च हिमालय की ट्रैकिंग में गाइड का अनुभव सबसे जरूरी है। उत्तरकाशी निवासी एवरेस्ट विजेता विष्णु सेमवाल कहते हैं कि उच्च हिमालय की ट्रैकिंग के लिए अनुभव सबसे अधिक काम आता है। गाइड और टीम लीडर की भूमिका सबसे अहम होती है। ट्रैकिंग और पर्वतारोहण में सबसे अधिक चुनौती मौसम को लेकर ही होती हैं। इसलिए हम जिस क्षेत्र में ट्रैकिंग कर रहे हैं, वहां ट्रैक के साथ मौसम की जानकारी भी होनी चाहिए। मौसम के पूर्वानुमान की रिपोर्ट भी महत्वपूर्ण होती है।

बुधवार को वायुसेना के चीता हेलीकाप्टर से उत्तरकाशी जिले के सहस्रताल क्षेत्र में फंसे ट्रेकरों का रेस्क्यू करते हुए • साभार सूचना

सेटेलाइट फोन सबसे जरूरी

सहस्रताल की ट्रैकिंग पर कर्नाटक का ट्रैकिंग दल सेटेलाइट फोन लेकर जाता तो प्रशासन के पास घटना की सूचना सोमवार शाम ही पहुंच जाती। तब समय पर रेस्क्यू होने से कम से कम पांच ट्रेकर की जान बच सकती थी। लेकिन, सोमवार शाम की घटना के बारे में प्रशासन को करीब 24 घंटे बाद जानकारी मिली, तब जाकर 36 घंटे बाद रेस्क्यू शुरू हो पाया। एवरेस्ट विजेता विष्णु सेमवाल कहते हैं कि उच्च हिमालयी क्षेत्र की ट्रैकिंग के दौरान सबसे अधिक परेशानी तब होती है, जब किसी ट्रैकिंग दल के सदस्य की तबीयत बिगड़ जाए, मौसम की विकट स्थिति सामने आ जाए या फिर दल के साथ कोई अनहोनी घट जाए। इसकी सूचना जिला मुख्यालय व रेस्क्यू टीम तक पहुंचने में दो से चार दिन का समय लगता है। घटना की सूचना देने के लिए ट्रैकिंग दल जब मोबाइल नेटवर्क वाले स्थान पर पहुंचते हैं, तभी सूचना दे पाते हैं। लेकिन, घटना होने और घटना की सूचना प्रशासन तक पहुंचाने में ही वक्त लग जाता है। इस दौरान दल के साथ बड़ी दुर्घटना घट जाती है। उच्च हिमालय की ट्रैकिंग करने वाले दलों के लिए सेटेलाइट फोन की सुविधा अनिवार्य की जानी चाहिए। पर्यटन से जुड़े कई व्यक्ति ट्रैकिंग के लिए सेटेलाइट फोन की अनिवार्यता की मांग लंबे समय से कर रहे हैं।

रेस्क्यू को पैदल मार्ग से रवाना हुए दो दल

सहस्रताल ट्रैकिंग रूट पर फंसे ट्रेकर को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ व वन विभाग के दो दल बुधवार सुबह पैदल मार्ग से रवाना हुए। इनमें एक दल बालगंगा रेंज के बूढ़ाकेदार पिस्वाण होते और दूसरा दल सिल्ला-कुशकल्याण ट्रेक से आगे बढ़ा। मंगलवार रात जिलाधिकारी ने केंद्रीय रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव को एयर रेस्क्यू में सहयोग के लिए भी पत्र भेजा था, जिस पर त्वरित कार्रवाई हुई और बुधवार सुबह वायु सेना की टीम दो चीता हेलीकाप्टर और एक एमआइ-17 हेलीकाप्टर के साथ उत्तरकाशी पहुंचे।

मृतकों के नाम

- सुजाता मुंगुरवाडी (52) पत्नी विनायक, निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)
- पद्मिनी हेगड़े (34) पुत्री शैलजा हेगड़े, निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)
- चित्रा प्रणीत (48) निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)
- सिंधु वाकेलाम (45) निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)
- वेंकटेश प्रसाद नागराम (52) निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)
- अनीता रंगप्पा (61) निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)
- आशा सुधाकर (71) पत्नी सुधाकर निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)
- पद्मनाभ के.कृष्णमूर्ति (49) निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)
- विनायक मुंगुरवाडी (54) निवासी बेंगलुरु (कर्नाटक)

रेस्क्यू कर देहरादून भेजे गए ट्रेकर

सौम्या कनाले, स्मृति प्रकाश डोलस, शीना लक्ष्मी, एस. शिवा ज्योति, अनिल जमतीगे अरुणाचल भट्ट, भारत बोम्मना गौडर, मधु किरण रेड्डी व जयप्रकाश बीएस

(नोट: इनमें पुणे (महाराष्ट्र) निवासी स्मृति प्रकाश डोलस को छोड़ अन्य सभी ट्रेकर बेंगलुरु कर्नाटक के हैं। रेस्क्यू किए गए कर्नाटक के ट्रेकर एस सुधाकर, विनय एम.के और विवेक श्रीधर को नटीण-भटवाड़ी में रुकवाया गया है। जबकि, नवीन ए और रितिका जिंदल कुशकल्याण से सिल्ला होते हुए उत्तरकाशी लौट आए हैं।)

उत्तरकाशी जिले में प्रमुख ट्रेक

हर्षिल-लम्खागा-छितकुल, सांकरी-तालुका-हरकीदून, सांकरी-केदारकांठा, सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्रताल, नेलांग किन्नौर, हरकीदून-भड़ासु-छितकुल, लिवाड़ी-खिमलोगा-छितकुल, गंगोत्री-कालिंदीपास-माणा, गंगोत्री-भोजवासा-तपोवन, गंगोत्री-नंदनवन, गंगोत्री-वासुकी ताल, गंगोत्री-केदारताल, गंगोत्री-रुद्रगैरा, गंगोत्री-खतलिंग ग्लेशियर, डोडीताल, दयारा बुग्याल, दाटमीर रुइनसारा बुग्याल-क्यारकोटी ट्रेक आदि।

बुधवार की सुबह जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय उत्तरकाशी में रेस्क्यू की प्रगति को लेकर जानकारी लेते हुए जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल व पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी • जागरण

उत्तरकाशी नाटीण हेलीपैड के निकट रेस्क्यू किए गए ट्रेकर की स्वास्थ्य जांच करते हुए टीम • जागरण

उत्तरकाशी जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र में ट्रेकिंग के दौरान भटकने और फंसने से हुई मौतें

- **2** अक्टूबर 2018 : हरकीदून ट्रेक पर एक ट्रेकर की मौत
- **12** सितंबर 2018 : गंगोत्री-भोजवासा ट्रेक पर एक ट्रेकर की मौत
- **15** जून 2018 : सांकरी-यमुनोत्री ट्रेक पर एक पोर्टर की मौत
- **14** जून 2018 : हरकीदून- छितकुल ट्रेक पर एक ट्रेकर की मौत
- **8** आठ मई 2018 : केदारताल ट्रेक पर एक पोर्टर की मौत
- **11** अप्रैल 2018 : चाईशिल बुग्याल में एक ट्रेकर की मौत
- **26** मई 2019 : खिमलोगा-छितकुल ट्रेक पर मोरी के एक पोर्टर की मौत
- **18** अक्टूबर 2021 : नीलापानी क्षेत्र में आइटीबीपी गश्ती दल में शामिल तीन पोर्टर की मौत
- **19** अक्टूबर 2021 : हर्षिल-छितकुल ट्रेक पर 7 ट्रेकर और दो पोर्टर की मौत
- **13** मई 2022 : हरकीदून ट्रेक पर एक ट्रेकर की मौत
- **3** सितंबर 2022 : खिमलोगा-छितकुल ट्रेक पर ट्रेकर की मौत
- **4** अक्टूबर 2022 : हिमस्खलन होने से निम के 29 प्रशिक्षुओं की मौत
- **20** मई 2023 : गोविंद पशु विहार क्षेत्र के रूइनसारा बुग्याल में एक पर्यटक की मौत
- **1** जून 2023 : कालिंदी पास के बेस कैंप में एक गाइड की मौत
- **14** जून 2018 : हरकीदून-छितकुल ट्रेक पर एक ट्रेकर की मौत
- **20** सितंबर 2023 : हरकीदून ट्रेक पर बंगाल के एक ट्रेकर की मौत
- **16** मई 2024 : गोमुख के निकट पंजाब के एक ट्रेकर की मौत
- **26** मई 2024 : रूइनसारा बुग्याल-क्यारकोटी ट्रेक पर बंगाल के एक ट्रेकर की मौत
- **3** जून 2024 : सहस्रताल क्षेत्र में बेंगलुरु के चार ट्रेकर की मौत
- **4** जून 2024 : सहस्रताल क्षेत्र में फंसे पांच ट्रेकर की मौत

इस ट्रेक पर 20 वर्ष में 30 से अधिक मौत

कालिंदीपास-बदरीनाथ ट्रेक पर आठ दिनों तक बर्फीले क्षेत्र से होकर गुजरना पड़ता है। ऐसे में मौसम ने करवट ली तो ट्रेकर रास्ता भटक जाते हैं। इस ट्रेक पर पिछले 20 वर्ष में 30 से अधिक ट्रेकर की मौत हुई है। 5,980 मीटर की ऊंचाई से पार होने वाला कालिंदी ट्रेक दुनिया के सबसे ऊंचे ट्रेक रूट में शामिल है। इस ट्रेक को पूरा करने के बाद मन को वही सुकून एवं शांति मिलती है, जो किसी पर्वतारोही को पर्वतों के आरोहण से मिलती है।

दुखद: उत्तरकाशी के सहस्रताल रूट पर फंस गया था 22 ट्रैकरों का दल

बर्फीले तूफान से नौ पर्वतारोहियों की मौत

उत्तरकाशी/देहरादून, हिन्दुस्तान टीम। उत्तरकाशी के दुर्गम सहस्रताल ट्रैकिंग रूट पर बर्फीले तूफान में फंसे 22 पर्वतारोहियों (ट्रैकरों) में से नौ की मौत हो गई। शेष 13 को एसडीआरएफ ने बुधवार को रेस्क्यू कर सुरक्षित बचा लिया। इनमें से आठ को बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से देहरादून लाया गया। मृतकों में चार महिलाओं समेत पांच के शव उत्तरकाशी के भटवाड़ी लाए जा चुके हैं। मौसम खराब होने के चलते बुधवार शाम रेस्क्यू रोकना पड़ा और बाकी शव नहीं निकाले जा सके।

एसडीआरएफ के कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया कि बेंगलुरू के 21 व महाराष्ट्र का एक पर्यटक 29 मई को उत्तरकाशी से सहस्रताल ट्रैकिंग के लिए निकले। 40 किलोमीटर के पैदल रूट पर यह दल भटवाड़ी से मल्ला होते हुए सिल्ला तक वाहन से पहुंचा। इसके बाद छह किलोमीटर पैदल दूरी तय कर 30 मई की रात पिलंग पहुंचे। अगले दिन नौ किलोमीटर पैदल ट्रैक करते हुए कुशकल्याणी बुग्याल और एक जून को 10 किलोमीटर की ट्रैकिंग कर धर्मशाला पहुंचे। दो जून को यह 22 सदस्यीय दल, तीन गाइड और छह पोर्टरों के साथ आठ किलोमीटर की ट्रैकिंग कर सहस्रताल के बेस कैंप पनियाला पहुंचे और यहीं रुके। सोमवार सुबह दल में शामिल 20 सदस्य, गाइड और पोर्टर के साथ सात किलोमीटर ट्रैक कर सहस्रताल पहुंचे, जबकि दो ट्रैकर बेस कैंप में ही रुक गए। मिश्रा ने बताया कि सात पोर्टर और गाइड बेस कैंप में पूरी तरह सुरक्षित हैं।

ट्रैकिंग दल में शामिल बेंगलुरू निवासी अनिल जमतीगे भट्टा ने बताया कि हमने तय किया था कि सोमवार को ही हम बेस कैंप लौट आएंगे। इसलिए बहुत ज्यादा सामान साथ लेकर आगे नहीं गए। सहस्रताल से वापसी के वक्त दो किलोमीटर की दूरी ही तय की थी कि दोपहर दो-तीन बजे के बीच मौसम अचानक बिगड़ गया। घना कोहरा लग गया। कुछ नजर नहीं आ रहा था। इस बीच तेज बर्फीला तूफान चलने लगा। हम सब इधर-उधर गिरने लगे। पोर्टर और गाइड हमें एक बड़े पत्थर की ओट में लाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन कई साथियों को लाने में कामयाब नहीं हो पाए। अत्यधिक ठंड से कई साथियों की तबीयत बिगड़ने लगी। कपड़े और बचाव उपकरण भी कम पड़ गए। संचार उपकरणों ने काम बंद कर दिया। रातभर ठंड में कई साथियों की तबीयत बहुत बिगड़ गई। इनमें चार ट्रैकरों की मौत रात में ही गई। संबंधित खबर P05

13 पर्वतारोही रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाले एसडीआरएफ ने

08 को हेलीकॉप्टर से पहुंचाया गया देहरादून

04 मृत महिला पर्वतारोहियों समेत पांच के शव लाए जा चुके हैं उत्तरकाशी के भटवाड़ी

दून के कर्जन रोड स्थित कोरोनेशन अस्पताल में भर्ती ट्रैकर का हाल चाल पूछते डॉ. परमार्थ जोशी। • हिन्दुस्तान

बेस कैंप पहुंचे तो भेज पाए सूचना

ट्रैकिंग कंपनी के संचालक व स्थानीय निवासी विष्णु सेमवाल ने बताया कि मंगलवार को मौसम ठीक होने पर पोर्टर और गाइड नौ ट्रैकर को लेकर बेस कैंप आ गए, जबकि गंभीर बीमार होने से सात चलने में असमर्थ थे। बेस कैंप से सूचना प्रशासन को दी गई। मंगलवार को उत्तरकाशी से रेस्क्यू टीम मौके को रवाना हुई। बुधवार को एसडीआरएफ ने देहरादून से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने के बाद 13 ट्रैकरों को सुरक्षित निकाला। पांच शव भी भटवाड़ी लाए गए।

दून में सभी की हालत सामान्य

एसडीआरएफ ने आठ ट्रैकरों को बुधवार दोपहर देहरादून के जिला अस्पताल कोरोनेशन में भर्ती कराया। स्वास्थ्य विभाग के आपदा स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. विमलेश जोशी ने बताया कि सौम्या कनाले, स्मृति डोलस, शीना लक्ष्मी, एस. शिवा ज्योति, अनिल जमतीगे भट्टा, भरत बोम्मना गौडर, मधु किरण रेड्डी, जयप्रकाश बीएस का डॉक्टरों ने परीक्षण किया। इन सभी की हालत सामान्य है। शाम को सभी को बीजापुर गेस्टहाउस में शिफ्ट कर दिया गया है।

30 मई की सुबह उत्तरकाशी के सिल्ला गांव से 22 सदस्य ट्रैकिंग सहस्रताल के लिए रवाना हुआ था। रवाना होने से पूर्व दल के 22 सदस्यों ने यह ग्रुप फोटो खिंचवाई थी। अब इसमें से नौ ट्रैकरों की मृत्यु हो चुकी है • साभार ट्रेक्ड दल

उत्तरकाशी के सहस्रताल बेस से दो ट्रैकर पैदल सिल्ला गांव सकुशल पहुंचे • साभार वन विभाग

नहीं बनी कोई एसओपी

उत्तरकाशी: पर्यटन प्रदेश का दंभ भरने वाले हिमालयी राज्य उत्तराखंड में ट्रेकिंग के लिए कोई नियम नहीं बने हैं। जान-माल की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। यहां अव्यवस्थाओं के बीच ट्रेकिंग करना पर्यटक, पोर्टर व गाइड के लिए जान दांव पर लगाना जैसा है। राज्य में साहसिक पर्यटन और ट्रेकिंग के लिए कोई एसओपी नहीं बनी है। वन विभाग अनुमति देने के दौरान मौसम के पूर्वानुमान की रिपोर्ट भी आपदा प्रबंधन से नहीं लेता है। प्रशिक्षित गाइड और पोर्टर के लिए भी कोई मानक तय नहीं किए गए हैं। पैसे के लालच में ट्रेकिंग एजेंसियां भी पर्यटकों सहित गाइड और पोर्टर की जान से खिलवाड़ कर रही हैं। मुसीबत के वक्त तो प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। इससे न तो शासन-प्रशासन सबक ले रहा, न ट्रेकिंग एजेंसियां ही जिम्मेदार बन रही हैं।

हर तरफ अंधेरा, ट्रेकर ने 20 घंटे ड्राई फ्रूट खाकर किया गुजारा

सौरभ सिंह गुसाईं • जागरण

देहरादून: सहस्रताल में फंसे आठ ट्रेकर को एसडीआरएफ की टीम सुरक्षित देहरादून लेकर पहुंची तो उनके चेहरे पर भय साफ नजर आ रहा था। इनमें से कई ट्रेकर तो ऐसे हैं, जिनका स्वास्थ्य सही है, मगर वह दहशत में हैं। उनकी आवाज तक नहीं निकल रही। बर्फीली हवा के बीच ट्रेकर के 20 घंटे इतने खौफनाक गुजरे कि शायद ही वह जीवनभर भूल पाएंगे। ट्रेकर ने ड्राई फ्रूट खाकर जान बचाई। उन्हें बाद नहीं कि ट्रेकिंग के दौरान उनके साथ आखिर हुआ क्या। बहरहाल, आठ ट्रेकर को रेस्क्यू कर एसडीआरएफ देहरादून लेकर आ गई है। ये सभी देहरादून के कोरोनेशन अस्पताल में भर्ती हैं।

कर्नाटक के 22 ट्रेकर का दल 29 मई को हिमालयन ब्लू ट्रेकिंग एजेंसी मनेरी (उत्तरकाशी) के सहयोग से सहस्रताल की ट्रेकिंग पर निकला। उनके साथ आठ खच्चर और तीन गाइड थे। दो जून की शाम अचानक बर्फीला तूफान शुरू हो गया। ट्रेकर की मानें तो बर्फीले तूफान की रफ्तार करीब 90 किमी प्रतिघंटा रही होगी। इसके बाद आंखों के सामने अंधेरा छा गया। सभी एक-दूसरे से अलग होने लगे। अचानक ठंड इतनी बढ़ गई कि असहनीय हो गई। ट्रेकर जयप्रकाश बीएस ने बताया कि वह पूर्व में भी ट्रेकिंग के लिए उत्तराखंड आ चुके हैं। इस बार उनके साथ जो घटना हुई, उसे शायद ही वह कभी भुला पाएंगे। बताया कि सेमवाल शाम उनका दल सहस्रताल के लिए आगे बढ़ रहा था कि अचानक तेज वर्फ के बाद बर्फीली हवाएं चलनी शुरू हो गईं। धीरे-धीरे तूफान आने लगा।

सहस्रताल में फंसे ट्रेकर भरत को रेस्क्यू कर देहरादून के जिला अस्पताल कोरोनेशन में भर्ती कर उपचारक करते चिकित्सक • जागरण

ट्रेकर स्मृति प्रकाश डोलास • जागरण

मोबाइल नहीं करते काम, इसलिए नहीं कर पाए संपर्क

ट्रेकर स्मृति प्रकाश ने बताया कि बर्फीले तूफान के बीच उन्हें सामने खतरा नजर आ रहा था। जब उन्होंने इधर-उधर संपर्क करने की कोशिश की तो नेटवर्क नहीं होने से किसी को घटना के बारे में बता नहीं पाए। रात को अंधेरा होने पर जान बचाना और भी मुश्किल हो गया। किसी तरह मोबाइल की टार्च जलाकर वह एक-दूसरे से बातचीत करते रहे और दिलासा देते रहे। बुधवार सुबह जब उनके पास हेलीकाप्टर पहुंचा तो तब उन्हें लगा कि अब वह सुरक्षित हैं।

उत्तरकाशी के सहस्त्रताल ट्रैक में फंसे आठ ट्रैकरों को देहरादून लाया गया, किसी तरह बेस कैंप पहुंचे सदस्य

बर्फीले तूफान में जिंदगी के लिए लड़ी जंग

■ चांद मोहम्मद

देहरादून। उत्तरकाशी के दुर्गम ट्रैक सहस्त्रताल में बर्फीले तूफान में फंसे ट्रैकरों ने बुधवार को सकुशल दून पहुंचने पर ट्रैकिंग के दौरान उपजे हालात और आंखों देखी बयां की। वह इस हादसे से इतना सहम गए कि घटना का जिक्र करते हुए आंखें डबडबा गईं। ट्रैकरों ने बताया कि बर्फीले तूफान के बाद वे रातभर जिंदगी की जंग लड़ते रहे। सुबह किसी तरह बेस कैंप पहुंचकर प्रशासन को सूचना दी गई।

दून के कोरोनेशन अस्पताल में रेस्क्यू कर इलाज के लिए लाए गए बेंगलुरु के अकाउंटेंट अनिल जमतीगे भट्टा ने बताया कि सोमवार दोपहर दो से तीन बजे होंगे। करीब साढ़े 14 हजार फीट की ऊंचाई पर ट्रैकिंग के दौरान अचानक बर्फबारी के साथ तेज हवाएं चलने लगीं। दल में अफरातफरी मच गई और इधर-उधर छिटकने लगे। घना कोहरा छा गया, अंधेरा इतना था कि चार फीट से आगे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। फोन भी काम नहीं कर रहे थे। दल के कुछ सदस्य एक-दूसरे की मदद करने लगे। काफी ठंड लग रही थी और सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी थी। ट्रैकिंग के जो उपकरण ले गए थे, उनसे कुछ बचाव हुआ। जिंदगी बचेगी या नहीं इसे लेकर आशंकित थे। बेहद खराब मौसम के बीच रातभर राहत बचाव कार्य करते रहे, टेंट भी लगाया। इस दौरान सब परेशान रहे।

उत्तरकाशी के सहस्त्रताल ट्रैक में फंसे ट्रैकरों को हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर बुधवार को दून पहुंची एसडीआरएफ की टीम।

उत्तरकाशी के सहस्त्रताल ट्रैक में फंसे ट्रैकरों को रेस्क्यू कर दून के कर्जन रोड स्थित कोरोनेशन अस्पताल में बुधवार को भर्ती किया गया। • हिन्दुस्तान

14 हजार फीट की ऊंचाई पर अचानक ट्रैकिंग रूट पर बर्फबारी होने लगी

बर्फीला तूफान आते ही इधर-उधर गिरे दल में शामिल लोग

हादसे का खौफनाक मंजर रेस्क्यू कर लाए गए सदस्यों की आंखों में तैर रहा था। बकरकर दो सदस्य अस्पताल में आते ही सो गए। महिला सदस्य सौम्या पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि हादसे के बाद कब क्या हुआ कुछ पता नहीं चला। ट्रैकिंग अभियान में शामिल निजी कंपनी से रिटायर जयप्रकाश कहते हैं कि जिंदगी बच गई, ऊपर वाले की बड़ी कृपा हो गई। स्मृति ने बताया कि बर्फीला तूफान 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार जैसा लग रहा था।

तूफान के बाद किसी को कुछ नजर नहीं आ रहा था

बुधवार दोपहर को सहस्त्रधारा हेलीपैड से दून के जिला अस्पताल कोरोनेशन में उन्हें भर्ती कराया गया। रेस्क्यू कर लाए गए ट्रैकर्स ने बताया कि सबकी तबीयत खराब हो रही थी। जिंदगी की जंग लड़ते रहे, रास्ते में जहां गाइड कहते वहां बैठ जाते, जब चलने को कहते तो चल पड़ते। कुछ भी नजर नहीं आ पा रहा था। तूफान का थपेड़ा लगते ही अधिकांश लोग इधर-उधर गिर गए और कुछ जमीन पर लेट गए। अगली सुबह जैसे-तैसे बेस कैंप पहुंचे, वहां से सूचना पुलिस और प्रशासन को दी। तब शाम को हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर लाया गया।

दल सदस्यों ने सरकार-एसडीआरफ को सराहा

ट्रैकिंग दल के सदस्यों ने रेस्क्यू अभियान के लिए सरकार और एसडीआरएफ की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैसे ही सूचना ही दी गई तत्काल ऑपरेशन शुरू हो गया। जिससे वह सुरक्षित यहां पहुंचे। सरकार-एसडीआरएफ का आभार जताया।

द्रौपदी-डांडा के बाद दूसरा सबसे बड़ा हादसा

उत्तरकाशी, संवाददाता। मल्ला - सिल्ला होते हुए कुश कल्याण बुग्याल होते सहस्त्रताल की ट्रैकिंग के लिए निकले 22 सदस्य दल में मंगलवार रात तक नौ सदस्यों की मौत हो गई। जिले में यह दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले साल 2022 में निम के द्रौपदी का डांडा में 28 पर्वतारोहियों की हिमस्खलन की चपेट में आने से मौत हुई थी। जिसमें एक व्यक्ति आज तक भी लापता है।

जिला आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार 30 मई को 22 सदस्य ट्रैकिंग दल मल्ला से सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर निकला। दो जून को यह दल सहस्त्रताल के कोखली टॉप बेस कैंप पहुंचा। तीन जून को वह सहस्त्रताल के लिए रवाना हुए। वहां अचानक मौसम खराब होने और घने कोहरे के साथ ही बर्फबारी के बीच ट्रैकर फंस गए। तेज सर्द हवाओं के साथ आए तूफान के बीच में जहां कुछ पर्यटक रास्ता भटक गए। वहीं, अन्य सदस्यों को पूरी रात ठंड में बितानी पड़ी। इससे चार ट्रैकर्स ने दम तोड़ दिया। इस बीच ट्रैकर्स में से किसी ने इसकी सूचना दल को ले जाने वाली ट्रैकिंग एजेंसी के मालिक को दी। जिसके एजेंसी ने मंगलवार दोपहर को इसकी सूचना आपदा प्रबंधन विभाग को दी। सूचना में बताया गया कि ठंड लगने से चार ट्रैकर की मौत हो गई है जबकि सात की तबीयत खराब है और 11 वहां फंसे हुए है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि सूचना मिलने के बाद विभागों को अलर्ट कर दिया गया था। बुधवार सुबह से ही रेस्क्यू समय पर शुरू हुआ।

सहस्त्रताल ट्रैक पर पांच पर्यटकों के शव बरामद

एसडीआरएफ की ओर से बताया गया कि पांच ट्रैकर्स के शव बुधवार को बरामद किए गए। मृतकों में 71 वर्षीय आशा सुधाकर निवासी बेंगलुरु, 45 वर्षीय सिंधु निवासी बेंगलरु, 51 वर्षीय सुजाता निवासी बेंगलुरु, 54 वर्षीय विनायक निवासी बेंगलुरु, साउथ कर्नाटक, 48 वर्षीय चित्रा परिणीथ निवासी बेंगलुरू के शव बरामद किए गए। एसडीआरएफ टीमों की ओर से अन्य इकाइयों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। उच्च हिमालयी क्षेत्र में इस तरह का रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में कई दिक्कतें भी आ रही हैं। लेकिन टीमें लगातार काम में जुटी हुई हैं।

28 लोगों की जान गई थी साल 2022 में एवलांच आने से

09 लोगों की मौत सहस्त्रताल में ट्रैकिंग रूट पर हुई

■ पिछले साल हुए हादसे में एक व्यक्ति आज तक लापता

सहस्त्रताल ट्रेक पर नौ ट्रैकर्स की मौत, पांच शव निकाले

■ 11 ट्रैकरों को वायुसेना के हेलीकॉप्टर से सुरक्षित निकाला

■ दो ट्रैकर क्षेत्र के सिल्ला गांव के रास्ते पैदल उत्तरकाशी पहुंचे

■ 35 किमी लंबे मुश्किल ट्रैक पर रेस्क्यू में खराब मौसम बना बाधा

उत्तरकाशी(एसएंनबी)। टिहरी और उत्तरकाशी जनपद की सीमा से सटे सहस्त्रताल ट्रैक पर खराब मौसम के कारण हुए ह्रादसे में नौ ट्रैकरों की मौत हुई है। बुधवार को वायुसेना के दो हेलीकॉप्टर की मदद से 11 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

अभी तक पांच शव भी निकाले जा चुके है। दो ट्रैकर सिल्ला गांव के रास्ते पैदल ही उत्तरकाशी पहुंचे। खराब मौसम के कारण दोपहर बाद हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू में बाधा उत्पन्न हो गई। पैदल रेस्क्यू टीमें सहस्त्रताल ट्रेक के लिए आधा रास्ते तक पहुंच चुकी है।

बीते 29 मई को 22 सदस्यों का दल सहस्त्रताल ट्रैक पर गया था। मंगलवार को मौसम खराब होने के कारण बर्फीले तूफान के कारण दल रास्ता भटक गया। शाम चार बजे प्रशासन को प्राथमिक जानकारी मिली थी कि चार ट्रैकरों की मौत हो गई है। लेकिन बुधवार को रेस्क्यू कार्य शुरू होने पर स्थिति साफ हो गई। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। ट्रैक पर दो हेलीकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

हालांकि, दोपहर बाद क्षेत्र में मौसम खराब होने के बाद हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू रोका गया। जमीनी रेस्क्यू टीमें ट्रेक के लिए निकली है। सुरक्षित निकाले गए ग्यारह लोगों को देहरादून भेज दिया गया है। लगभग 35 किमी लंबे इस मुश्किल हिमालयी ट्रेक पर घटनास्थल तक पहुंचने में रेस्क्यू टीमों को कुछ समय लग रहा है। जमीनी रेस्क्यू टीमें दो विपरीत दिशाओं से घटना स्थल की ओर आगे बढ़ रही है। इस दल में कर्नाटक और महाराष्ट्र के ट्रैकर शामिल थे। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि सहस्त्रताल की ट्रैकिंग रूट पर फंसे ट्रैकर्स को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ और वन विभाग के (शेष पेज 13)

तीन जून को बेस कैंप लौटते समय भटक गया था दल

उत्तरकाशी (एसएनबी)। सहस्त्रताल ट्रैक पर गत तीन जून को मौसम खराब होने के कारण 22 सदस्यीय दल भटक गया था। बताया जाता है कि ट्रैक पर भारी ओलावृष्टि और बारिश हुई। ट्रेकिंग दल तीन जून को दोपहर में सहस्त्रताल से वापस पनियाला बेस कैंप लौट रहा था। इसी दौरान खराब मौसम ने दल को भटका दिया।

■ अत्यधिक ठंड और भूख ने कई सदस्यों की जान ली

ट्रैकिंग एजेन्सी, उत्तरकाशी एवं गाइड अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मंगलवार शाम को प्रशासन को इसकी सूचना दी। हिमालयन व्यू ट्रैकिंग एजेंसी, मनेरी के जरिए मल्ला-सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल ट्रैक पर ये दल 29 मई को सिल्ला गांव से निकला था, जिसमें कनार्टक के 18 सदस्य और महाराष्ट्र का एक सदस्य और तीन स्थानीय गाइड शामिल थे।

इस ट्रैकिंग दल को सात जून तक वापस लौटना था। इसी दौरान अंतिम शिविर से सहस्त्रताल पहुंचने के दौरान मौसम खराब होने से दल रास्ता भटक गया। संबन्धित ट्रैकिंग ऐजेंसी ने खोजबीन करने पर इस दल के चार सदस्यों की मौत की खबर दी, जो

बुधवार तक संख्या नौ पहुंच गई, जबकि 13 लोग हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर बचा लिए गए। सहस्त्रताल लगभग 4100-4400 मीटर की ऊंचाई पर है और घटना स्थल जनपद उत्तरकाशी और टिहरी जिले सीमा क्षेत्र में स्थित है। इस ट्रैक की भटवाड़ी ब्लॉक के सिल्ला गांव से पिलंग तक की दूरी करीब 12 किमी है। इसके बाद दल पिलंग से करीब नौ किमी आगे कुश कल्याण पहुंचा। यहां से आठ से दस किमी दूर धर्मशाला में डाल रुका।

धर्मशाला से करीब उतनी ही दूरी पर पनियाला बेस कैंप होते हुए छह सात किमी की दूरी पर स्थित सहस्त्र ताल पहुंचा। लेकिन चार जून की खबर आई कि अंतिम शिविर से नीचे पनियाला की ओर जाते वक्त दल खराब मौसम के कारण भटक गया। बारिश के कारण कुछ लोग पत्थरों के नीचे बैठ गए, लेकिन अत्यधिक ठंड और भूख ने कई सदस्यों की जान ले ली।

जिला सूचना अधिकारी
जिला कार्यालय परिसर,गंगोत्री भवन उत्तरकाशी।

समाचार पत्रः दै0जागरण/हिन्दुस्तान/अमर उजाला/रा0सहारा/दै0 भास्कर/शाह टाईम्स/पंजाब केसरी/अन्य...........

दिनांक 05/6/24

ठंड लगने से चार ट्रेकर की मौत, 13 की हालत गंभीर

- 29 मई को उत्तरकाशी के सिल्ला गांव से सहस्त्रताल के लिए रवाना हुआ कर्नाटक ट्रेकिंग एसोसिएशन का 22 सदस्यीय ट्रेकिंग दल
- दल के एक सदस्य ने मंगलवार शाम उत्तरकाशी पहुंचाई यह जानकारी, बुधवार को खोज-बचाव अभियान होगा शुरू

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी: भटवाड़ी मल्ला-सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल की ट्रेकिंग पर गए चार ट्रेकर की मौत की सूचना है। जबकि, 13 ट्रेकर की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। ट्रेकिंग दल के एक सदस्य ने मंगलवार शाम यह जानकारी उत्तरकाशी स्थित जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय तक पहुंचाई। इसके बाद जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। बुधवार को खोज-बचावअभियान शुरू होने की संभावना है। जिस स्थान पर ट्रेकर फंसे हैं, उसकी जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से दूरी 60 किमी है। इसमें 35 किमी का रास्ता पैदल तय करना पड़ता है। इस दल ने पर्यटन और वन विभाग से 29 मई से सात जून तक ट्रेकिंग की अनुमति ली थी।

जानकारी के अनुसार कर्नाटक ट्रेकिंग एसोसिएशन का 22-सदस्यीय ट्रेकिंग दल उत्तरकाशी के सिल्ला गांव से 29. मई को सहस्त्रताल के लिए रवाना हुआ। इस दल में 18 ट्रेकर बेंगलुरु (कर्नाटक) और एक ट्रेकर पुणे (महाराष्ट्र) का है। इसके अलावा उत्तरकाशी निवासी तीन गाइड भी दल के साथ हैं। बेस कैंप से सहस्त्रताल समिट के लिए दल तीन जून को रवाना हुआ। समिट के बाद दल को बेस कैंप लौटना था, लेकिन सहस्त्रताल क्षेत्र में वर्षा व बर्फबारी होने के चलते वह बीच में ही फंस गया। घना कोहरा छाने के कारण दल के सदस्य बेस कैंप लौटने का रास्ता भी भटक गए और उन्हें वर्षा व बर्फबारी के बीच चट्टानों की आड़ में रात गुजारनी पड़ी। ऐसे में बीमार पड़ने व अत्याधिक ठंड लगने से चार ट्रेकर की मौत हो गई।

इसकी जानकारी दल के गाइड व अन्य सदस्यों को मंगलवार सुबह मिल पाई। दोपहर में दल के सात सदस्य किसी तरह बेस कैंप लौटे। जबकि 11 सदस्य अभी भी सहस्त्रताल के कोखली टाप क्षेत्र में बीमार अवस्था में फंसे हुए हैं। इनके अलावा दो अन्य सदस्यों की स्थिति ज्यादा खराब है। उन्हें निकालने के लिए ट्रेकिंग दल के गाइड ने जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन से हेली रेस्क्यू की मांग की है। उत्तरकाशी के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने कहा कि उत्तरकाशी व टिहरी जिले की सीमा से लगे मल्ला-सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल ट्रेक पर 22-सदस्यीय दल ट्रेकिंग के लिए गया था।

दल के चार सदस्यों की मौत की सूचना है, जबकि 13 की स्थिति गंभीर है। टिहरी के घनसाली और उत्तरकाशी से भी वन विभाग और एसडीआरएफ का दल मौके पर भेजा जा रहा है। हेली रेस्क्यू के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। इसके अलावा ट्रेकिंग एसोसिएशन की ओर से सिल्ला गांव से भी लोग मौके पर भेजे जा रहे हैं।

समाचार पत्रः दै0जागरण / हिन्दुस्तान / अमर उजाला / रा0सहारा / दै0 भास्कर / शाह टाईम्स / पंजाब केसरी / अन्य...........

अमर उजाला दिनांक 05/6/24

उत्तरकाशी में ट्रैकिंग पर गए चार ट्रैकरों की मौत

22 सदस्यों का दल सहस्त्रताल ट्रैकिंग रूट पर गया था

■ खराब मौसम के चलते रास्ता भटक गया दल

उत्तरकाशी, संवाददाता। सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर गया 22 सदस्यों का दल मंगलवार को खराब मौसम के चलते राह भटक गया। मुश्किल परिस्थितियों में घिरे चार ट्रैकरों की मौत हो गई और बाकी फंस गए। डीएम डॉ.मेहरबान सिंह बिष्ट ने तत्काल रेस्क्यू दलों को रवाना करने के आदेश दिए।

डॉ.बिष्ट ने बताया कि अध्यक्ष,ट्रैकिंग एजेंसी और गाइड राजेश ठाकुर ने जानकारी दी कि 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल सहस्त्रताल ट्रैक पर गया था। इसमें कर्नाटक के 18 और महाराष्ट्र का एक सदस्य था। साथ ही तीन स्थानीय गाइड भी थे। दल 29 मई को सहस्त्रताल के ट्रैकिंग अभियान पर निकला था और इसे सात जून तक वापस लौटना था। उन्होंने बताया कि सहस्त्रताल पहुंचने के दौरान मौसम खराब होने के चलते दल रास्ता भटक गया। ट्रैकिंग एजेंसी ने खोजबीन की। दल के चार सदस्यों की मौत होने की सूचना मिली है।

डीएम ने बताया, सहस्त्रताल लगभग 4100-4400 मीटर की ऊंचाई पर है। घटनास्थल जनपद उत्तरकाशी और टिहरी जिले सीमा क्षेत्र में स्थित है। दल को रेस्क्यू करने को उत्तरकाशी और घनसाली (टिहरी) से रेस्क्यू टीम को भेजा गया। एसडीआरएफ और वन विभाग की टीमों को भी घटनास्थल पर भेजने को कहा गया है। ट्रैकिंग एसोसिएशन की ओर से सिल्ला गांव से भी लोगों को मौके ओर भेजे जाने की सूचना दी गई है।

राष्ट्रीय सहारा

सहस्त्रताल ट्रैक पर फंसे ट्रैकर, ठंड से 4 की मौत

दुखद : 18 अन्य ट्रैकर फंसे, इनमें 7 की तबीयत है खराब, रेस्क्यू की कार्रवाई शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी-टिहरी जनपद की सीमा पर करीब 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित सहस्त्रताल ट्रैक पर गए चार ट्रैकर की ठंड लगने से मौत हो गई। 18 ट्रैकर वहां फंसे हैं जिनमें से सात की तबीयत खराब है। ये सभी मौसम खराब होने के कारण रास्ता भटक गए थे। जिले की ट्रैकिंग एजेंसियों के माध्यम से जिला आपदा प्रबंधन को इसकी सूचना मिली। रेस्क्यू की कार्रवाई शुरू हो गई है।

29 मई को एक 22 सदस्यीय दल मल्ला-सिल्ला से कुश कुल्याण बुग्याल होते हुए सहस्त्रताल की ट्रैकिंग के लिए निकला था। दो जून को यह दल सहस्त्रताल के कोखली टॉप बेस कैंप पहुंचा। 3 जून को वह सहस्त्रताल के लिए रवाना हुए। वहां अचानक मौसम खराब होने, घने कोहरे और बर्फबारी के बीच ट्रैकर फंस गए। पूरी रात उन्हें ठंड में बितानी पड़ी। ट्रैकर्स में से किसी ने इसकी सूचना दल को ले जाने वाली गढ़वाल माउंटनेरिंग एवं ट्रैकिंग एजेंसी के मालिक को दी। बताया कि ठंड लगने से चार ट्रैकर की मौत हो गई है जबकि सात की तबीयत खराब है और 11 वहां फंसे हुए हैं। इसके बाद ट्रैकिंग एजेंसी के मालिक ने अपने ट्रैकिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सूचना दी। एसोसिएशन ने जिला आपदा प्रबंधन विभाग को इसके बारे में बताया और ट्रैकर्स को सुरक्षित निकालने की मांग की।

प्रशासन ने रेस्क्यू की व्यवस्थाएं जुटानी शुरू कर दी हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि चार ट्रैकर्स की मौत और अन्य के फंसने की सूचना मिली है। ट्रैकिंग टीम में कर्नाटक के 18, महाराष्ट्र का एक और तीन स्थानीय लोग शामिल थे। एसडीआरएफ रेस्क्यू के लिए रवाना हो चुकी हैं।

सहस्त्रताल ट्रेक पर ट्रेकिंग दल फंसा, चार की मौत

■ कर्नाटक के 18 सदस्य एवं महाराष्ट्र का एक सदस्य और तीन स्थानीय गाइड शामिल थे

उत्तरकाशी (एसएनबी)। सहस्त्रताल की ट्रैकिंग पर गया 22 सदस्यों वाले एक ट्रैकिंग दल के खराब मौसम के चलते रास्ता भटक जाने से चार सदस्यों की मौत की सूचना है। बाकी सदस्यों के इस उच्च हिमालयी ट्रेक रूट में फंसने की सूचना है। हादसे की खबर लगते ही जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने ट्रैकरों को रेस्क्यू करने के लिए तत्काल मौके पर रेस्क्यू टीम में भेजे जाने को एसडीआरएफ के मुख्यालय से आग्रह किया है। स्थानीय स्तर से तत्काल रेस्क्यू दलो को रवाना करने के निर्देश जारी किए है।

जिलाधिकारी ने इस बाबत एसडीआरएफ के कमांडेंट को पत्र भेजते हुए अवगत कराया है कि अध्यक्ष, ट्रैकिंग ऐजेन्सी, उत्तरकाशी एवं गाईड राजेश ठाकुर द्वारा मंगलवार शाम को प्रशासन को बताया कि हिमालयन व्यू ट्रैकिंग ऐजेंसी, मनेरी के द्वारा मल्ला-सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल ट्रैक पर एक 22 सदस्यीय ट्रैकिंग दल गया है। इसमें कर्नाटक के 18 सदस्य एवं महाराष्ट्र का एक सदस्य और तीन स्थानीय गाइड शामिल थे। दल को गत 29 मई को सहस्त्रताल के ट्रैकिंग अभियान पर रवाना करवाया गया था। इस ट्रैकिंग दल को आगामी 7 जून तक वापस लौटना था। इसी दौरान गत दिन अंतिम शिविर से सहस्त्रताल पहुंचने के दौरान मौसम खराब होने से यह दल रास्ता भटक गया। सम्बन्धित ट्रैकिंग ऐजेंसी ने खोजबीन करने पर इस दल के चार सदस्यों की मृत्यु होने की सूचना दी है। ट्रैक में फंसे अन्य 13 सदस्यों का शीघ्र रेस्क्यू किये जाने का अनुरोध किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि सहस्त्रताल लगभग 4100-4400 मीटर की ऊंचाई पर है और घटना स्थल जनपद उत्तरकाशी एवं टिहरी जिले सीमा क्षेत्र में स्थित है। दल के शीघ्र रेस्क्यू किये जाने हेतु दोनों तरफ उत्तरकाशी एवं घनसाली टिहरी से उच्च हिमालय में तत्काल रेस्क्यू टीम भेजने का प्रयास किया जा रहा है।

एसडीआरएफ और वन विभाग की स्थानीय टीमों को भी घटना स्थल हेतु रेस्क्यू टीम भेजने को कहा गया है। ट्रैकिंग एसोसिएशन द्वारा सिल्ला गांव से भी लोगों को मौके ओर भेजे जाने की सूचना दी गई है। इस बारे में टिहरी जिले के घनसाली क्षेत्र से भी वन विभाग का दल भेजे जाने का अनुरोध जिला प्रशासन ने किया है।।

(देवेन्द्र सिंह पटवाल)
आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
उत्तरकाशी।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सादर सूचनार्थ प्रेषितः—

1. सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2. अपर सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
3. अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन),उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, सचिवालय परिसर, दूहरादून।

4. अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन), उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, सचिवालय परिसर, दूहरादून।
5. संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ,उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, सचिवालय परिसर, दूहरादून।
6. अधिशासी निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, देहरादून।
7. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
8. अपर जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
9. जिला पर्यटन अधिकारी, उत्तरकाशी।

आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
उत्तरकाशी।